पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 278

ग्वालियर, गुरुवार, 2 दिसम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए कांग्रेस नेता यशवंत सिन्हा

कोलकाता। पूर्व केंद्रीय मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के नेता यशंवत सिन्हा को पीठ में गंभीर दर्द की शिकायत के बाद यहां के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया 84 वर्षीय सिन्हा को मंगलवार को एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने बताया चार डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है और इस समय उनकी स्थिति पहले से बेहतर है। एसएसकेएम अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया उनकी स्थिति बेहतर है और हम उनकी सेहत पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

निलंबित सांसदों के लिए चॉकलेट, टॉफियां लेकर पहुंची जया बच्चन

नई दिल्ली। राज्यसभा से पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित 12 विपक्षी सांसद धरने पर बैठ गए हैं। वे संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने धरना दे रहे थे, तभी समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन उनसे मिलने पहुंची। बच्चन अपने साथ चॉकलेट, टॉफियां लाई थीं जो उन्होंने प्रदर्शनकारी सांसदों में बांट दीं। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से उन्होंने मराठी में कहा, गोड-गोड खा नी गोड-गोड बोला... यानी अच्छा-अच्छा खाओ और अच्छा-अच्छा बोलो..। तृणमूल कांग्रेस की सांसद डोला सेन ने कहा कि उन्हें कुछ मीठा चाहिए तो जया ने दूसरी थैली आगे कर दी। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान राज्यसभा में 'अशोभनीय आचरण' के लिए निलंबित 12 सांसदों ने कहा कि वे निलंबन रद्द होने तक विरोध प्रदर्शन जारी रखने वाले है। जिन सदस्यों को निलंबित किया गया है उनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के इलामारम करीम, कांग्रेस की फूलों देवी नेताम, छाया वर्मा, रिपुन बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन और शांता छेत्री, शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम शामिल हैं।

पंजाब पुलिस का कर्मचारी के पास से भारी मात्रा में हेरोइन और रिवाल्वर बरामद

मोगा। मोगा पुलिस द्वारा नशें का कारोबार करने वालों को काबू करने के लिए चलाई मुहिम के अंतर्गत सी.आई.ए. स्टाफ बाघापुराना ने पंजाब पुलिस के एक कर्मचारी को पकड़कर उससे भारी मात्रा में हेरोइन और रिवाल्वर बरामद की है। इस संबंधी जानकारी देकर जिला पुलिस प्रमुख सुरिंदरजीत सिंह ने बताया कि जब सी.आई.ए. स्टाफ बाघापुराना के मुख्य अफसर इंस्पेक्टर तरलोचन सिंह पुलिस पार्टी सहित इलाके में गश्त करते हुए डगरू रेलवे फाटक के पास जा रहे थे।

क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप से बोले शिवराज

अभी कुछ भी बंद नहीं होगा, लेकिन कोरोना से सावधान रहें

सरकार का भोपाल-इंदौर और जबलपुर पर ज्यादा फोकस

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन और मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर-जबलपुर में सामने आ रहे पॉजिटिव केसों पर चिंता जताई है। बुधवार सुबह करीब 1 घंटे तक उन्होंने डिस्ट्रिक, ब्लॉक और पंचायतों की क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की मीटिंग ली। उन्होंने कहा कि, अभी कुछ भी बंद नहीं होगा, लेकिन सावधान रहें, वरना हालात मुश्किल भरे हो जाएंगे। आज सावधानी नहीं रखी तो परिस्थितियां बहुत विकट वाली हो जाएंगी। हम नहीं चाहते कि फिर से लॉकडाउन लगे। काम-धंधे बंद हो जाएं और जिंदगी बहुत कठिन दौर से गुजरे। बात दें कि मध्यप्रदेश में 24 घंटे में 17 केस आए हैं, जिसमें भोपाल में फिर नए 9 केस, इंदौर में 5, जबलपुर में 2 और अशोकनगर में 1 पॉजिटिव शामिल हैं। मीटिंग में मंत्री, सांसद, विधायक, अफसर के साथ डिस्ट्रिक, ब्लॉक और पंचायतों की क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य वर्चुअली तरीके से जुड़े। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कोरोना से मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। इसमें सभी को जोड़ें। मंत्री, सांसद, विधायक, कलेक्टर-एसपी समेत सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी आदि घर-घर दस्तक दें। जो लोग सेकेंड डोज लगवाने से छूट गए हैं, उन्हें डोज लगवाएं। इंदौर 2-3 दिन में सेकेंड डोज का टॉरगेट पूरा कर लें। भोपाल, जबलपुर समेत सभी जिलों के लोगों को भी सेकेंड डोज जल्द लगवाएं।

प्रदेश में 70 हजार टेस्ट रोज होंगे: मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों से कहा कि कोरोना टेस्ट की संख्या बढ़ाएं। रोज 70 हजार टेस्ट करें। लोग भी थोड़े लक्षण मिलते ही टेस्ट कराएं। मैं भी हर शुक्रवार को टेस्ट करवाता हूं। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। बता दें कि अभी प्रदेश में 53 से 58 हजार के बीच टेस्ट हो रहे हैं।

अब होम आइसोलेशन न करें: मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि अब कोरोना पॉजिटिव को होम आइसोलेशन नहीं किया जाएगा। हॉस्पिटल में भर्ती कर उनका इलाज किया जाए। मध्यप्रदेश में कोरोना से लडने् के लिए पर्याप्त दवाई उपलब्ध है। वहीं, 158

ऑक्सीजन प्लांट भी लगवाए गए हैं। आज ही उन्हें चालू करके देख लें। अस्पतालों में अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था भी बेहतर तरीके से की जाए।

कोरोना पॉजिटिव मिलने पर पर्चा लगाएंगे: मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना पॉजिटिव आने पर संबंधित के घर में पर्चा लगवाएं। कंटेनमेंट जोन बनाए जाएं। इससे दूसरे लोग संक्रमित होने से बच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मास्क पहनना अनिवार्य करें। यह कोरोना से लडने् का सबसे बड़ा हथियार है। बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें। कोरोना की तीसरी लहर नहीं आए, इसके लिए हमें अभी से सावधान और सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सड़क पर उतरे मंत्री: मुख्यमंत्री की मीटिंग खत्म होते ही प्रदेशभर में मंत्री, विधायक और अफसर अवेयरनेस और तैयारियों का जायजा लेने के लिए सड़क पर उतर गए। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भोपाल के नेहरू नगर चौराहे पर पहुंचकर बिना मास्क के घूम रहे मजदूरों को मास्क पहनाएं। वहीं, कलेक्टर अविनाश लवानिया ने जयप्रकाश हॉस्पिटल में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया। इसे चालू कराकर देखा गया।

दवे पांव आ रहा ओमिक्रॉन, लोग बेखौफ

भोपाल। कोरोना का नया रूप ओमिक्रॉन से दुनिया भर में फिर से दहशत फैल गई है, लेकिन भोपाल शहर के बाजारों में इस समय सहालग की भीड़ है। भीड़ में न तो मास्क नजर आ रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंस। लोग कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रॉन से अनजान है, लेकिन बाजारों में यह लापरवाही कहीं महंगी न पड़ जाए। पुलिस और प्रशासन भी अभी सख्ती करते नजर नहीं आ रहे हैं। तीसरी लहर को लेकर जहां सरकार की तरफ से बचाव के निर्देश दिए जा रहे हैं तो प्रशासनिक अफसर भी अभी से तैयारी में जुटे हुए हैं। कोरोना की तीसरी लहर से लापरवाह दिख रहे लोग न तो मास्क पहनने को तैयार हैं और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। मास्क तो दूर सेनेटाइजर का इस्तेमाल भी लोग भूल चुके हैं। भीड़ से परहेज करने की बजाय लोग नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए समूह में बाजारों में पहुंच खरीदारी कर रहे हैं। कई लोगों के मास्क भी नाक के नीचे लटके रहते हैं। दुकान तथा बाजार में पहले की तरह ही सामान की खरीद को लेकर आपा-धापी है। शारीरिक दूरी का कोई मतलब यहां नहीं दिखता है।

बाजारों में फिर से चलेगा रोको-टोको अभियान

ओमिक्रॉन वैरियंट ने दुनिया को एक बार फिर दहशत में ला दिया है। पर इस समय सहालग है। शादी की खरीदारी करने वालों की भीड़ बाजारों में है। ऐसे में सबसे ज्यादा खतरा बाजारों में बिना मास्क और सोशल डिस्टेंस के घूमने वाले लोग हैं। पर अब प्रशासन ने फिर से बाजारों और शहर के सार्वजनिक स्थानों पर रोको-टोको अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज लगाना बहुत जरूरी: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियां सक्रिय रहें। सावधानी का पहला मतलब है कि टेस्ट करवाएं, लोगों को टेस्ट करवाने के लिए प्रेरित करें।मध्य प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान आज वीडियो काफ्रेंसिंग के जरिए क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जरुरी ?निर्देश दिए कि कोरोना पाजिटिव आने के बाद आस-पास के लोगों को सतर्क करें। मास्क लगाएं, इससे 90 प्रतिशत आशंका कम हो जाती है कि हम संक्रमित होंगे। इसलिए मास्क जरूर जाएंगे। कंटेनमेंट एरिया ना बनाएं, घर को कंटेनमेंट कर दें। सीएम ने कहा लगभग सभी लोगों को पहला डोज लग चुका है, दूसरा डोज लगाना बहुत जरूरी है। आज कोविड वैक्सीन को लेकर महाअभियान है, आगे भी इस?के लिए तारीख तय करेंगे। आपने दोनों डोज लगवाएं है तो इस बात की आशंका कम रहती है कि आपको कोरोना रहेगा, इसके साथ ही अगर कोरोना होगा भी तो गंभीर नहीं होगा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दिसंबर में हमें वैक्सीन के दोनों डोज पूरे करने हैं।

दोस्त की पार्टी में गाया गान, फेफड़े आ गए बाहर

बीजिंग। दोस्तों की बर्थडे पार्टी को यादगार बनाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते हैं। कुछ दोस्त इस यादगार बनाने के लिए गाना गाते हैं। लेकिन चीन से एक ऐसी घटना सामने आई है, जहां एक शख्स अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में गाना गा रहा था और उसके फेफड़े ही फट गए। इसके बाद वहां हड़कंप मच गया और युवक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। दरअसल, यह घटना चीन के हुनान का है। यहां एक शख्स ने अपने सबसे करीबी दोस्त की बर्थडे पार्टी में उसे खुश करने का प्लान बनाया। दोस्त के जन्मदिन को स्पेशल बनाने के लिए उसने दिल खोलकर गाना गाया। लोग उसके गाने पर तालियां बजाते रहे लेकिन खुद उसके फेफड़ों ने जवाब दे दिया और उससे खून निकलने लगा। रिपोर्ट में इसका जिक्र है कि यह शख्स कराओ के पर गाना गा रहा था। गाना गाते-गाते शख्स इतना भावुक हो गया कि उसने एक लंबी तान छेड़ी और तभी उसके फेफड़ों ने जवाब दे दिया। उस सीने में तेज दर्द महसूस हुआ।वह अपनी सारी ताकत लगाकर ऊंचा सुर लगा रहा था, जो उसके फेफड़े बर्दाश्त नहीं कर पाए। उसे सांस लेने में तकलीफ हुई तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने जब जांच की तो चौंकाने वाला खुलासा सामने आया। डॉक्टरों ने उसके फेफड़ों का एक्स-रे कराया, जिसमें उन्हें छाती की त्वचा और फेफड़ों के बीच कुछ बबल्स नजर आए। डॉक्टरों ने इसे देखते ही बता दिया कि एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ने की वजह से उसके दाहिने फेफड़े फट गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने बीएसएफ के 57 वें स्थापना दिवस पर जवानों को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के स्थापना दिवस के अवसर पर इस अर्धसैनिक बल के कर्मियों को बधाई दी और देश की सुरक्षा के साथ ही आपदा व संकट की घड़ी में उसके योगदान की सराहना की।

मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''स्थापना दिवस पर मैं बीएसएफ परिवार को बधाई देता हूं। साहस और पेशेवराना अंदाज के लिए बीएसएफ का व्यापक सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, ''भारत की सुरक्षा में बीएसएफ का महत्वपूर्ण योगदान है और वह आपदा व संकट की घड़ी में भी कई मानवीय कार्यों में आगे रहता है। देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले सीमा सुरक्षा बल का स्थापना दिवस है। यह हर साल 1 दिसंबर को मानाया जाता है। आज के दिन यानी 1 दिसंबर को बीएसएफ 57वां स्थापना दिवस मना रहा है। दरअसल आज के दिन ही 1965 में बीएसएफ का गठन किया गया था। बीएसएफ के स्थापना दिवस पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दी है। बीएसएफ की स्थापना वर्ष 1965 में भारत की सीमाओं की रक्षा और अन्तरराष्ट्रीय अपराध को रोकने के लिए की गई थी। यह बल केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है। बांग्लादेश की आज़ादी में %सीमा सुरक्षा बल% की अहम भूमिका अविस्मरणीय है। बीएसएफ, दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती भारत की 6386.36 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है। अपनी स्थापना दिवस के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल ने राष्ट्र के लिए दायित्व और अपने आदर्श वाक्य 'जीवन पर्यंत कर्तव्य' के लिए प्रतिबद्धता को दोहराया है।

किसानों संगठनों में मतभेद, टिकैत आंदोलन को राजी, पंजाब के कई किसान संगठन वापस लौट रहे

संयुक्त किसान मोर्चा की बुधवार को होने वाली बैठक रदद

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का कहना है कि एमएसपी गारंटी कानून, बिजली कानून सहित कई मामलों पर केंद्र सरकार राजी नहीं होती है, तब तक आंदोलन चलाता रहेगा, लेकिन उनकी राय को लेकर किसान संगठनों में ही मतभेद दिख रहे हैं। एक तरफ पंजाब के कई किसान संगठनों ने घर वापसी की बात कहकर आज होने वाली 40 संगठनों की मीटिंग भी रद्द कर दी है।4 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग होनी है,इसमें आगे की रणनीति को लेकर कोई फैसला होगा। लेकिन इस बीच बड़ी संख्या में सिंघु बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर से किसान जाते दिख रहे हैं। किसानों की संख्या दोनों मोर्चों पर कम हो रही है। संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक रद्द होने के सवाल पर सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा, बैठक 4 दिसंबर को होनी है। आज की बैठक किसान संगठनों के बीच की थी। उन्होंने कहा कि चूंकि सरकार ने अभी तक सारी मांगे नहीं मानी हैं,इसकारण आंदोलन जारी रहेगा।उधर, मंगलवार को किसान नेताओं ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने एमएसपी से संबंधित मसले पर बात करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से पांच प्रतिनिधियों के नाम मांगे हैं। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा कि 5 नामों को लेकर हमारे पास फोन आया था, सरकार ने एमएसपी से संबंधित मसले पर बात करने के लिए पांच प्रतिनिधियों के नाम मांगे हैं।

दर्शनपाल ने बताया कि इन 5 नामों को लेकर 4 दिसंबर को फैसला होगा। बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा, 40 से अधिक किसान संगठनों की एक संयुक्त शाखा है, जो कि एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी सहित तीन कृषि कानूनों और उनकी अन्य मांगों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। इतना ही नहीं सिंघु बॉर्डर पर बीते एक साल से चल रहा लंगर बंद हो गया है।लंगर गुरुद्वारा साहिब रिवरसाइड कैलिफोर्निया, अमेरिका द्वारा आयोजित हो रहा था।

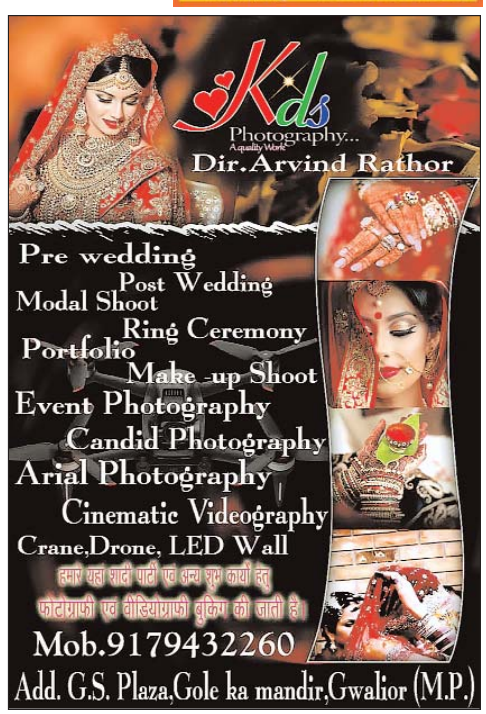

न्यूज़ ट्रैक....

एसके थंडर ने टीपीएल सीज़न-2 क्रिकेट ट्राफी जीती -

इन्दौर। शहर में आईपीएल की तर्ज़ पर टीपीएल सीज़न-2 क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में एस.के. थंडर इलेवन ने टीम चैलेंजर्स को 27 रन से टीपीएल सीज़न क्रिकेट ट्राफी अपने नाम कर ली। एवी टर्फ पर आयोजित इस क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले को लेकर भारी उत्साह देखा गया। टीम एस.के. थंडर और टीम चैलेंजर्स के बीच खेले गए फायनल में टीम एस. के थंडर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 81 रनों के लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चैलेंजर की टीम मात्र 54 रन ही बना सकी। एस. के. थंडर ने फाइनल मुकाबला 27 रनों से जीत लिया और टीपीएल सीजन-2 ट्रॉफी को अपने नाम कर लिया। वार्ड 73 के पूर्व पार्षद सादिक़ खान ने एस.के. थंडर्स टीम को चमचमाती ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। उपविजेता और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जीतू पटवारी, पूर्व पार्षद सादिक खान, पूर्वपार्षद अनवर दस्तक और रफीक खान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया। मैन ऑफ द सीरीज ज़हीर ख़ान को दिया गया।

हरभजन से प्रेरित होकर स्पिनर बना: अश्विन

कानपुर। टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि वह अनुभवी स्पिनर हरभजन सिंह से प्रेरित हैं। हरभजन के 417 विकेट के रिकार्ड को तोड़ने वाले अश्विन ने कहा कि हरभजन ही उनके असली हीरो हैं। उन्होंने कहा कि वह साल 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हरभजन की गेंदबाजी को देखकर प्रेरित हुए। उन्हें देखकर ही उन्होंने स्पिनर बनने का फैसला किया था और आज उसी कारण यहां तक पहुंचे हैं। अश्विन अपने 80वें टेस्ट में हरभजन को पीछे छोड़कर सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने हैं। हरभजन ने 103 टेस्ट में 417 विकेट लिए थे। अश्विन ने न्यूजीलैंड की पहली पारी में तीन विकेट लिए थे। अश्विन ने हरभजन के 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस मशहूर स्पेल की चर्चा की।

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 3 स्वर्ण, 2 रजत और एक कांस्य पदक

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री मान. नरोत्तम मिश्रा, वन मंत्री मान. विजय शाह और औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन मंत्री मान. राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया के विशेष आग्रह पर 64वीं राष्ट्रीय महिला वर्ग के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए शूटिंग अकादमी पहूंचे। सभी मंत्रियों ने नवनिर्मित 50 मीटर शूटिंग रैंज, शॉटगन रैंज और 10 मीटर शूटिंग रैंज का अवलोकन किया और शॉटगन रैंज पर निशाना भी साधा। तत्पश्चात 10 मीटर रैंज पर चल रहे महिला वर्ग के फायनल मुकाबलों को देखा एवं विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग

चैम्पियनशिप-2021 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 3 स्वर्ण, 2 रजत और एक कांस्य सहित कुल छह पदक जीत लिए हैं। इसके साथ ही चैंपियनशिप में अब तक 13 पदक जीत लिए है। 10 मीटर रायफल इवेंट में मप्र की अंशिका गुप्ता ने स्वर्ण और श्रेया अग्रवाल ने कांस्य पदक पर निशाना साधा। मप्र के खिलाड़ियों ने अन्य पदक टीम स्पर्धा में जीते। चैम्पियनशिप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में मप्र शूटिंग अकादमी बिसनखेड़ी में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है।

मप्र की अंशिका गुप्ता ने 10 मीटर रायफल यूथ महिला व्यक्तिगत वर्ग में 250.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र को क्रमशः रजत तथा कांस्य पदक मिला। 10 मीटर रायफल यूथ महिला टीम इवेंट में मप्र की अंशिका गुप्ता, गौतमी भनोट और याना राठौर की टीम ने 1873.2 अंकों के साथ स्वर्ण पर कब्जा जमाया। हरियाणा को रजत और पश्चिम बंगाल ने कांस्य पदक जीता। 10 मीटर रायफल महिला टीम इवेंट में मप्र की श्रेया अग्रवाल, मानसी सुधीर सिंह कठैत, अंशिका गुप्ता की टीम ने 1884.2 अंकों के साथ स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। वहीं पंजाब को रजत और राजस्थान को कांस्य पदक मिला। 10 मीटर रायफल महिला टीम इवेंट सिविलियन में अंशिक गुप्ता, आशी चौकसे, रिशी की तिकड़ी ने 1868.1 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

पेरिस में फुटबॉल स्टार लियोनल मैसी अपने परिवार के साथ बैलन डी ओर ट्राफी लिए हुए।

द्रविड़ ने पिच बनाने वालों को सराहा, 35 हजार रुपये इनाम दिया

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कानपुर के ग्रीन पार्क की पिच तैयार करने वालों को 35 हजार रुपये इनाम दिया है। द्रविड़ ने शिव कुमार के साथ बेहतरीन पिच तैयार करने वाले कर्मचारियों को भी 35,000 रुपये का इनाम दिया है। उत्तरप्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने खेल के बाद यह बात कही , 'हम एक आधिकारिक घोषणा करना चाहते हैं। द्रविड़ ने हमारे मैदानकर्मियों को व्यक्तिगत रूप से 35,000 रुपये दिए हैं।' अपने समय में द्रविड़ को निष्पक्ष खेल भावना के लिए जाना जाता था। मैदानकर्मियों को मिली प्रोत्साहन राशि इस बात का प्रतीक थी कि पिच पर मैच के पांचों दिन गेंदबाजों और बल्लेबाजों के लिए हालात बराबर थे। इस पिच पर जहां अच्छी तकनीक दिखाने वाले श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, टॉम लैथम और विल यंग जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए। वहीं टिम साउदी और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाजों को विकेट मिले। पिच से भारतीय स्पिनरों को भी सहायता मिली। द्रविड़ ने पांचवें दिन के खेल के दौरान पिच से मदद नहीं मिलने के बावजूद भी दबदबा कायम करने पर स्पिन गेंदबाजों की सराहना की।

मुम्बई पहुंचने पर होगा अय्यर पर फैसला: द्रविड़

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि दूसरे टेस्ट में श्रेयस अय्यर के खेलने को लेकर अभी इतनी जल्दी में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। अय्यर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट में शतक और अर्धशतक लगाया है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड को भारतीय टीम का दौरा तय समय पर होने की उम्मीदें

जोहानसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि कोविड-19 के नये संस्करण के आने के बाद भी भारतीय टीम का दौरा तय समय पर ही होगा। सीएसए के अनुसार उसकी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ इसको लेकर हुई बातचीत सकारात्मक रही है। वहीं शीर्ष महामारी वैज्ञानिकों में से एक डॉक्टर सलीम अब्दुल करीम को आशंका है कि देश में इस सप्ताह के अंत तक संक्रमण के 10,000 से ज़्यादा मामले हो जाएंगे। सीएसए ने कह कि बीसीसीआई गोटंग और द वेस्टर्न केप में होने वाले बायो बबल माहौल को लेकर संतुष्ट है। सीएसए के कार्यकारी सीईओ फ़ोलेक्सी मोसेकी ने कहा कि हमारी बीसीसीआई के साथ बातचीत अच्छी चल रही है और वह यहां आने के लिए उत्साहित हैं। हमारी सरकार हमारी मदद करना चाहती है और हम अपने भारतीय समकक्षों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि सब कुछ सही है। गौरतलब है कि गोटंग प्रांत में भारतीय टीम को पहला और दूसरा टेस्ट खेला जाना है और यहीं पर सबसे ज़्यादा कोरोना संक्रमण के मामल देखने को मिले हैं। वहीं द वेस्टर्न केप में भी संक्रमण बढ़ने की आशंका है। यहां भी भारतीय टीम को मैच खेलना है। इसी कारण इस सरीज को लेकर सवाल उठे हैं। दिखने लगेंगे।

सीएसए ने पिछले साल गर्मियों में श्रीलंका और पाकिस्तान की सफलता पूर्वक मेजबानी की थी और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करने की भी तैयारी कर रहे थे हालांकि द वेस्टर्न केप ज्यादा सफल नहीं रहा है। पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड ने अपने केपटाउन के होटल में कोविड केस निकलने के बाद अपने दौरे को रद्द कर दिया गया था। सीएसए ने तब से बबल को और सख्त किया है, जहां खिलाड़ियों को बिना किसी कारण के होटल से बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी। मोसेकी ने कहा कि हमने दो बायो बबल बनाने की तैयारी की थी। हमने इंग्लैंड दौरे से बहुत कुछ सीखा है।

व्यापार न्यूज

क्रिप्टो करंसी पर जल्दी ही विधेयक लाएगी केंद्र सरकार : निर्मला सीतारमन

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरंसी बैन की चिंताओं के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा है कि सरकार जल्द ही क्रिप्टोकरेंसी को लेकर बिल पेश करने जा रही है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने संसद में बताया कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रेगुलेशन पर विस्तार में चर्चा की गई है। राज्यसभा में प्रशनकाल के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह जोखिम वाला क्षेत्र है और पूरे रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में नहीं है।उन्होंने आगे बताया कि इसके विज्ञापन को बैन करने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है। आरबीआई और सेबी के जरिए जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठाए गए हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार जल्द ही बिल पेश करेगी। क्रिप्टो के विज्ञापनों पर निर्मला सीतारण ने कहा कि यहां एएससीआई है, जो विज्ञापनों को नियंत्रित करती हैं। उन्होंने कहा कि इसके सभी नियमों को देखा जा रहा है। उन्होंने संसद में बताया कि सरकार जल्द बिल कैबिनेट से बिल पारित करने के बाद उसे लाएगी।

सोना उछला, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने में तेजी आई है जबकि चांदी की कीमतें गिरी हैं। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 41 रुपये ऊपर आकर 47,217 रुपये प्रति 10

ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,176 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 667 रुपये की गिरावट के साथ ही 61,337 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 62,004 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ ही 1,794 डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी 22.94 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई थी।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

टोक्यो। एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिश्रित कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेत मिले हैं। एसजीएक्स निफ्टी में 10.00 अंक की गिरावट आई है। वहीं, निक्केई करीब 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ ही 28,498.91 पर नजर आ रहा है। स्ट्रेट टाइम्स में 0.13 फीसदी की कमी आई है। ताइवान का बाजार 0.79 फीसदी बढ़कर 17,465.75 के स्तर पर कामकाज कर रहा है। हैंगसेंग 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 23,513.34 के स्तर पर नजर आया है। वहीं, कोस्पी में 1.10 फीसदी की गिरावट आई है।

अनिल अंबानी की आरईएल के विरुद्ध शीघ्र शुरू होगी दिवाला प्रक्रिया

भारतीय रिजर्व बैंक ने भंग किया निदेशक मंडल

मुंबई। उद्यमी अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस कैपिटल लि. (आरईएल कैप) के निदेशक मंडल को भारतीय रिजर्व बैंक ने भंग कर दिया। केंद्रीय बैंक जल्द ही कर्ज में डूबी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करेगा। भुगतान में चूक और कंपनी संचालन के स्तर पर गंभीर खामियों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। रिजर्व बैंक ने एक बयान मे कहा कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पूर्व कार्यकारी निदेशक नागेश्वर राव वाई को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी का प्रशासक नियुक्ति किया गया है। इस बीच, कंपनी ने एक बयान में ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता के तहत कर्ज के समाधान को लेकर उठाए गए रिजर्व बैंक के कदम का स्वागत किया है। बयान के अनुसार, 'कंपनी सभी पक्षों के हित में कर्ज के तेजी के समाधान को लेकर रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त प्रशासक के साथ पूरा सहयोग करेगी।

यह तीसरी सबसे बड़ी एनबीएफसी है जिसके खिलाफ केंद्रीय बैंक दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवाला कार्यवाही शुरू करेगा। इससे पहले, रिजर्व बैंक ने श्रेई ग्रुप की एनबीएफसी तथा दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) के खिलाफ इसी प्रकार की कार्यवाही शुरू की थी। डीएचएफएल के खिलाफ कार्यवाही पूरी हो चुकी है जबकि श्रेई का मामला अभी लंबित है। केंद्रीय बैंक

ने कहा, '...रिजर्व बैंक ने मेसर्स रिलायंस कैपिटल लि. के निदेशक मंडल को भंग कर दिया है। कंपनी के अपने कर्जदाताओं को कर्ज लौटाने में चूक और कंपनी संचालन से जुड़ी गंभीर चिंताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया। कंपनी का निदेशक मंडल इन मुद्दों का समाधान प्रभावी तरीके से नहीं कर पाया। बयान के अनुसार, 'रिजर्व बैंक जल्दी ही ऋण शोधन अक्षमता और दिवाला (वित्तीय सेवा प्रदाताओं की दिवाला और परिसमापन कार्यवाही और न्यायनिर्णय प्राधिकरण को आवेदन) नियम, 2019 के तहत कंपनी को लेकर समाधान प्रक्रिया शुरू करेगा। रिजर्व बैंक राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई से भी ऋण शोधन समाधान पेशेवर के रूप में प्रशासक नियुक्त करने का आग्रह करेगा। बता दें कि रिलायंस कैपिटल ने सितंबर में सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को सूचित किया था कि कंपनी के ऊपर एकीकृत रूप से 40,000 करोड़ रुपए का कर्ज है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,156 करोड़ रुपए का एकीकृत नुकसान हुआ जबकि आय 6,001 करोड़ रुपए रही थी।

दुनिया के सबसे रईस एलन मस्क ने पराग अग्रवाल की प्रतिभा का माना लोहा

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने भारतीय मूल के पराग अग्रवाल को अपना नया मुखिया नियुक्त (सीईओ) नियुक्त किया है। पराग ने सिलिकॉन वैली में 11 साल से भी कम समय में यह सफलता हासिल की है। इस दौरान एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सीईओ तक का सफर तय किया है। उनकी इस उपलब्धि पर टेक कम्युनिटी ने भारतीय प्रतिभा को सलाम किया है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने इस बहाने भारतीय प्रतिभा की तारीफ की है। विश्व की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि भारतीय टैलेंट से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने स्ट्राइप कंपनी के सीईओ पैट्रिक कोलिसन के एक ट्वीट के जवाब में यह बात कही। कोलिसन ने पराग अग्रवाल को ट्विटर का सीईओ बनने पर बधाई देते हुए लिखा, %गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, आईबीएम, पालो आल्टो नेटवर्क्स और अब ट्विटर के सीईओ भारत में पले-बढ़े हैं। तकनीक की दुनिया में भारतीयों की आश्चर्यजनक सफलता देखकर खुशी हो रही है। इससे पता चलता है कि अमेरिका में बाहर से आने वाले लोगों के लिए कितने मौके हैं।

आईसीआईसीआई बैंक ग्राहकों को 1 जनवरी 2022 से ये सुविधाएं मिलेगी महंगी

नई दिल्ली। देश में निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। बैंक ने बचत खाते पर सर्विस चार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। आईसीआईसीआई बैंक 1 जनवरी 2022 से ऐसा करने जा रहा है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। आईसीआईसीआई बैंक, एटीएम और कैश रिसाइक्लिर मशीन से कैश निकालने से जुड़े चार्जेस में बढ़ोतरी करने वाला है। अभी आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम या कैश रिसाइक्लिर मशीन से कैश ट्रांजेक्शन करने पर महीने में पहले 5 वित्तीय ट्रांजेक्शन फ्री होते हैं। इसके बाद 20 रुपये प्रति वित्तीय ट्रांजेक्शन का चार्ज लगता है। लेकिन 1 जनवरी 2022 से यह चार्ज 21 रुपये प्रति वित्तीय ट्रांजेक्शन होगा। आईसीआईसीआई बैंक एटीएम से सभी गैर-वित्तीय ट्रांजेक्शन फ्री हैं। वित्तीय ट्रांजेक्शंस में कैश निकासी आती है, जबकि गैर वित्तीय ट्रांजेक्शंस में बैलेंस इंक्वायरी, मिनी स्टेटमेंट और पिन चेंज करना शामिल है। नॉन-आईसीआईसीआई बैंक एटीएम से ट्रांजेक्शन की बात करें।

आकर्षक फीचर और डुअल कैमरे के साथ रेडमी नोट 11टी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। मशहूर चीनी मोबाइल कंपनी रेडमी नोट 11 के तीन आकर्षक मॉडल्स बाजार में लॉन्च किए गए हैं। भारत में सिर्फ बेस मॉडल ही पेश किया गया है। हालांकि यहां कंपनी ने रेडमी नोट 11में टी ऐड कर दिया है। रेडमी नोट सीरीज को आम तौर पर कम कीमत पर ज्यादा वैल्यू के लिए माना जाता रहा है, लेकिन रेडमी नोट 11टी की कीमत दूसरे नोट के बेस वेरिएंट के मुकाबले काफी ज्यादा है। रेडमी नोट 11टी के तीन वेरिएंट भारत में लॉन्च किए गए हैं। 6जीबी रैम 64जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 16,999 रुपये है, 6जीबी रैम 128जीबी स्टोरेज की कीमत 17,999 रुपये है, जबकि 8जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 19,999 रुपये है। रेडमी नोट 11टी 5जी के ब्लू, ब्लैक और व्हाइट कलर में लॉन्च किया गया है। इसकी बिक्री 7 दिसंबर से शुरू होगी। ये स्मार्टफोन एमेजान इंडिया सहित शाओमी की वेबसाइट और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। रेडमी नोट 11टी लॉन्च ऑफर के तौर पर आप 1,000 रुपये का डिस्काउंट पा सकते हैं। इसके लिए आपके पास आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड होना चाहिए। रेडमी नोट 11टी में 6.6 इंच की फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दी गई है। ऐस्पेक्ट रेश्यो 20:9 का है और इसमें 90एचजेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट दिया गया है। रेडमी नोट 11टी में मीडियाटेक डिमीनेस्टी 810 चिपसेट दिया गया है। इसमें रैम बूस्टर फीचर भी है जिसे कंपनियां वर्चुअल रैम के तौर पर भी देती हैं। रेडमी नोट 11टी में डुअल रियर कैमरे दिए गए हैं। प्राइमरी लेंस 50 मेगापिक्सल का है, दूसरा 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा वाइड लेंस है। सेल्फी के लिए इस स्मार्टफोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। रेडमी नोट 11टी में माइक्रो एसडी कार्ड सपोर्ट दिया गया है। इसमें हेडफोन जैक भी है और साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट स्कैनर दिया गया है। फोन में 5जी सहित दूसरे स्टैंडर्ड कनेक्टिविटी फीचर्स दिए गए हैं। रेडमी नोट 11टी में 5,000एमएएच की बैटरी दी गई है और इसके साथ 33वोल्ट प्रो फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। कंपनी का दावा है कि इसे फुल चार्ज करके दो दिन तक चलाया जा सकता है।

कंपनी के कर्मचारी ने गोदाम में लगाई फांसी, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कंपनी मालिक ने मृतक के परिजनों को दिया दस लाख का चैक

मालनपुर। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित बद्रीनारायण रवर कंपनी में मंगलवार और बुधवार की रात के दरम्यिान एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक दिनेश श्रीवास पुत्र फोसेलाल श्रीवास उम्र 36 साल ने रात को करीब 10:00 बजे कंपनी के गोदाम में लगे पाइप से फंदा बनाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने बताया कि कल सुबह 9:00 बजे वह घर से कंपनी ड्यूटी करने आया जब शाम को 5:00 बजे के बाद घर नहीं पहुंचा तो हमने उसकी तलाश की साथी से फोन पर बात की उसने जाकर कंपनी में टॉर्च जलाकर ढूंढा तो कंपनी के गोदाम में पाइप के खंभे से सब लटका देखा तो बो चकित रह गया और तुरंत सूचना मालनपुर थाना प्रभारी विनोद सिंह कुशवाह को मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे। मृतक के दो बच्चे हैं। मृतक दिनेश श्रीवास के साथियों का कहना है कि कंपनी मालिक ने 2 महीने का वेतन रुकने के बाद हमारी तनख्वाह हमें 25 से 26 तारीख को देता है इसको लेकर कल भिण्ड कलेक्टर को आवेदन दिया था जिस को लेकर कम्पनी प्रबंधक ने धमकाया था जिससे प्रताड़ना से तंग आकर आत्म हत्या कर ली। शाम को सभी लोग कंपनी परिसर में इकट्ठा होकर मालिक से इसकी बात की तो उन्होंने दिवाली पर आने वाला बोनस कल डाला जबकि साथी श्रमिकों ने बताया कि हम विकास भवन में दो बार शिकायत कर चुके हमारी शिकायत जब कि हमारी शिकायत एक बार भी नहीं सुनी गई तो हमने कल ही दिन कलेक्टर से जाकर शिकायत की उसके बाद हमें अक्टूबर में मिलने वाला बोनस 30 नंबर को मिला। हम सब सुबह अपने साथी मृतक दिनेश के साथ काम कर रहे थे उसने भी बैठक में यह मुद्दा उठाया की हमारी तनख्वाह बढ़ाई जाए तो इस पर कंपनी मालिक विवाद बढ़ता देख रामविलास कटारे फैक्ट्री मालिक ने 20 हजार रुपए नगद कम्पनी मालिक ने अंतिम संस्कार के दिए और 10 लाख का चेक दिया।

शिक्षा के माध्यम से समाज में हम जागरूकता ला सकते हैं : महंत राम भूषण दास

गोहद। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खनेता मैं माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के. के जैन के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विजय राम धाम खनेता के महंत राम भूषण दास महाराज ने उपस्थित शिक्षकों और ग्राम वासियों के बीच में कहा कि शिक्षक ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो समाज में शिक्षा के माध्यम से जागरूकता ला सकता है। इसलिए शिक्षक का सम्मान हम सबको करना चाहिए शिक्षक समाज का दर्पण है कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला शिक्षा अधिकारी हरीभुवन सिंह तोमर ने जैन को आगामी स्वस्थ जीवन जीने के लिए शुभकामनाएं दी साथी समस्त शिक्षक साथियों से आग्रह किया कि शिक्षक शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन शासन के नियमानुसार करें शिक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरतें एवं संकुल के सभी उपस्थित शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया तथा आजाद अध्यापक संघ भिंड के अध्यक्ष आनंद भदौरिया ब्लॉक गोहद के अध्यक्ष भूपेंद्र भीलवाड़ा उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह तोमर एवं अन्य पदाधिकारी सभी उपस्थित हुए सभी ने शिक्षक जैन एवं राजमणि यादव और हेम सिंह पूर्वंशी को भी शुभकामनाएं दी प्राचार्य हायर सेकेंडरी विद्यालय का खनेता रामेंद्र सिंह राजावत ने कहा कि आज शिक्षक के के जैन सेवानिवृत्त हो रहे हैं इससे पूर्व भी जो शिक्षक सेवानिवृत्त हुए थे उनका यह विदाई सम्मान समारोह सभी शिक्षक गणों की उपस्थिति में गरिमा में संपन्न हुआ है।

नैनो न्यूज

पैरोल पर आए भदौरिया का समाज को संदेश, पौधे रोपित कर पर्यावरण में योगदान निभाएं

भिण्ड। ग्वालियर जेल में सजा काट रहे डोंगरपुरा निवासी राकेश उर्फ रक्के सिंह भदौरिया ने पौधरोपण कर समाज को नया संदेश दिया है। मंगलवार को उन्होंने अपने साथियों के साथ बबेड़ी हाईस्कूल परिसर और गोशाला में फूल, फल और छायादार पेड़ लगाए। करीब आधा सैकड़ा पौधों का रोपण कर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड स्थापित किए। साथ ही पौधे का पालन पोषण ठीक से होए इसके लिए ग्रामीण युवकों ने जिम्मेदारी ली है। पौधरोपण के दौरान भदौरिया ने कहा प्राकृतिक धरोहर को सजेहने के लिए हमें पर्यावरण को संवारना होगा। देखा जा रहा है कि पेड़ तो सभी काट देते हैं, लेकिन जीवन में एक पौध तैयार कर उसे वृक्ष बनाने का संकल्प कोई नहीं लेता है। यही कारण है कि आज ऑक्सीजन की कमी इतनी प्रचर मात्रा में उत्पन्न हुई है कि सरकार को प्लांत तक लगाने पड़ रहे हैं। हमें अपने आसपास का वातावरण हरा-भरा रखना चाहिए।

चोरों ने एक मकान में बोला धाबा, गहने नगदी किये चोरी

भिण्ड। रौन थाना क्षेत्र के ग्राम मेंहदा में लहार-भिण्ड रोड पर स्थित एक मकान में अज्ञात चोरों ने धाबा बोलकर सोने-चांदी के गहने सहित नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार साहिद पुत्र दीवान खान निवासी ग्राम मेंहदा रौन ने बताया लहार भिण्ड रोड पर स्थित उसके मकान में 29 अगस्त दोपहर 3.30 बजे अज्ञात चोरों ने धाबा बोलकर घर में से सोने-चांदी के गहने सहित नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार कुल 32 हजार की चोरी होना बताया जा रहा है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

पुरानी रंजिशन युवक की मारपीट

भिण्ड। आमलपुर थाना क्षेत्र के वार्ड क्र.11 में एक युवक की पुरानी रंजिश के चलते घेराबंदी करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार रोहित पुत्र विनोद रजक निवासी वार्ड क्र.11 ने बताया मंगलवार दोपहर 4.30 बजे उसी मोहल्ला निवासी डालचंद्र पुत्र घनाराम रजक ने पुरानी रंजिश के चलते घर के बाहर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

अब हर घर के नल में जल होगा: संजीव सिंह

नलजल योजना शुभारंभ करने के लिए विधायक ने किया भूमिपूजन

भिण्ड। जल जीवन मिशन के अंतर्गत वर्ष 2023 तक प्रत्येक घर में टोंटी से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अब हर घर के नल में जल होगा लोगों को पानी के लिए दूर-दराज नहीं भटकना पड़ेगा। इस जलजीवन मिशन योजना के अंतर्गत प्रत्येक घर में नल कनेक्शन पहुंचाकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा दिया जाएगा। मैंने मुख्यमंत्री से अनुरोध कर अपनी विधानसभा में 44 नलजल योजना स्वीकृत कराई। यह बात

सदर विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने बुधवार को ग्राम पंचायत कचौंगरा में 2 करोड़ 88 लाख की लागत से नलजल योजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में कही। बता दें कि कचौंगरा में नलजल योजना के अंतर्गत पंचायत में 7 नलकूपों खनन किया जाएगा एवं 13 हजार मीटर लाईन डाली जाएगी एवं पानी स्टोरेज के लिए पौने चार लाख लीटर पानी की क्षमता वाली टंकी का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के लागू होने से हैण्डपम्प खनन कराने की किल्लत हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। मातृशक्ति हैण्डपम्प चलाने को मजबूर थी अब उन्हें उनके घर पर ही नल से निःशुल्क जल मिलेगा। आगे उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कचौंगरा में ग्रामीणों की मांग पर गांव में दो सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र कराया जाएगा। इसके लिए उन्होंने शीघ्र प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में ट्रांसफार्मरों की मांग पर उन्होंने तीन ट्रांसफार्मर स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया है। विधायक श्री कुशवाह ने कहा क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दूंगा। लगातार विकास के कार्य होते रहेंगे। इस अवसर पर लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से ई.ई. टी.एस.गर्ग, एसडीओ सत्येन्द्र सिंह कुशवाह, फेरन सिंह, राजवीर सिंह, बलसिंह, जण्डेल सिंह, बनवारी सिंह, सुनील सिंह सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

एड्स से लोगों को जागरूक कर घातक एवं जानलेवा बीमारी से बचाया जा सकता है : विधायक

भिण्ड । क्षेत्रीय विधायक संजीव सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन जिला चिकित्सालय में किया गया। इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एसपी मनोज कुमार सिंह, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा सहित अन्य अधिकारी, पत्रकार बन्धु उपस्थित थे। विधायक संजीव सिंह कुशवाह ने कहा कि एड्स को लेकर आज भी लोगों में असमानता की भावना देखने को मिलती है, ऐसे में बहुत जरूरी है कि लोगों के बीच से सबसे पहले एड्स के मरीज से असमानता की भावना को खत्म किया जाए। एड्स के संबंध में लोगों को जागरूक कर घातक एवं जानलेवा बीमारी से बचाया जा सकता है। एड्स के बारे में लोगों से खुलकर चर्चा करें और इसके दुष्परिणामों के बारे में बताएं। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य एवं दायित्व है कि एड्स से बचाने के लिए आगे आएं और लोगों को जागरूक करें। क्षेत्रीय विधायक श्री संजीव सिंह ने विश्व एड्स दिवस पर हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन रथ एवं एचआईव्ही एड्स जागरूकता रैली को रवाना किया।

ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के मॉकड्रिल का किया अवलोकन: इस दौरान क्षेत्रीय विधायक संजीव सिंह कुशवाह, कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने जिला चिकित्सालय पहुंच ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट के मॉकड्रिल का अवलोकन किया।

प्राचार्य अध्ययनरत अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों की स्वीकृति तीन दिवस में करें: कलेक्टर

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयो के प्राचार्य को पत्र जारी कर कहा है कि आपकी संस्था में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2020-21 के आवेदनो पर स्वीकृति जारी कर भुगतान हेतु कार्यालय अनुसूचित जाति/ जनजाति कार्य विभाग भिण्ड में प्रस्तुत नहीं किये है जिससे संबंधित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किया जा सका है। आप तीन दिवस में उक्त कार्यवाही कर अनुसूचित जाति कार्यविभाग भिण्ड को भेजे ताकि पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके।

कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि शासन मंषानुसार वर्ष 2020-21 की छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं वितरण समयावधि में किये जाने हेतु कई बार पत्रों के माध्यम से आवष्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया था परन्तु आपके द्वारा आज दिनांक तक अपनी संस्था के छात्रवृत्ति आवेदनो को छात्रवृत्ति पोर्टल पर रिसीव न किया जाकर स्वीकृति की कार्यवाही नहीं की गई है जिससे आपकी संस्था में अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ प्रदाय नहीं किया जा सका है। आपके द्वारा की गई उक्त लापरवाही से प्रतीत होता है कि आप अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से वंचित रखना चाहते है। आपके उक्त कृत्य से यदि कोई पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजना से वंचित होता है तो उसका समस्त उत्तरदायित्व आपका होगा। कलेक्टर ने जिन शासकीय एवं अषासकीय महाविद्यालयों को पत्र जारी किया हैं उनमें प्राचार्य शिव शिक्षा महाविद्यालय उमरी, प्राचार्य आरएलडी कॉलेज उदोतपुरा, प्राचार्य रोशनलाल दैपुरिया महाविद्यालय सुरपुरा, प्राचार्य चौ.दिलीप सिंह कन्या महाविद्यालय भिण्ड, प्राचार्य छोटेलाल सत्यनारायण शिक्षा महाविद्यालय बरोही, प्राचार्य मॉ गायत्री फारमेंसी कॉलेज हेवदपुरा, प्राचार्य मॉ गायत्री प्रशिक्षण महाविद्यालय हेवदपुरा, प्राचार्य केएस कॉलेज मौ, प्राचार्य केएस कॉलेज स्योढा रोड मौ, प्राचार्य ओयसिस इंपी.कॉलेज ऑफ एजूकेशन गोहद, प्राचार्य पीआरसी कॉलेज गोहद, प्राचार्य दुर्गाप्रसाद शराब महाविद्यालय दबोह, प्राचार्य ऋषीश्वर महाविद्यालय फूप, प्राचार्य रामनाथ सिंह होम्यो.महाविद्यालय गोरमी, प्राचार्य एसपीएस इंसटी.ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज पचेरा, प्राचार्य रावतपुरा सरकार इंस्टी. ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज रावतपुराधाम, प्राचार्य विश्वनाथ प्रताप सिंह कॉलेज ऑफ एजूकेशन लहार, प्राचार्य गालव ऋषीरिपुदमन आईटीआई मिहोना, प्राचार्य गिर्राज आईटीआई बरोही, प्राचार्य मॉ त्रिमुखा आईटीआई खारीपुरा, प्राचार्य मंगल प्रा.आईटीआई गोहद, प्राचार्य द रूद्र प्रा.आईटीआई गोहद, प्राचार्य एक्सीलेंष प्रा.आईटीआई गोहद, प्राचार्य एसआर प्रा.आईटी आई खेरीकापुरा गोहद, प्राचार्य गुरूकृपा प्रा.आईटीआई भिण्ड, प्राचार्य एमपीटी प्रा.आईटीआई गोरमी, प्राचार्य सिटी डीएड कॉलेज भिण्ड, प्राचार्य मॉ गायत्री ट्रेनिंग कॉलेज भिण्ड, प्राचार्य मॉ कृष्णा ट्रेनिंग कॉलेज भिण्ड, प्राचार्य मृत्युजय महाविद्यालय कीरतपुरा भिण्ड, प्राचार्य पं.दीनदयाल भारद्वाज कॉलेज ऑफ एजूकेशन बडपुरा अटेर, प्राचार्य पं.दीनदयाल महाविद्यालय लाडमपुरा, प्राचार्य बांकेबिहारी शिक्षा प्रसार भिण्ड, प्राचार्य रामनाथ सिंह महाविद्यालय गोरमी, प्राचार्य स्वामी विवेकानंद कॉलेज डिडी, प्राचार्य रोशनलाल दैपुरिया महाविद्यालय सुरपुरा, प्राचार्य गोरी कॉलेज ऑफ नर्सिग दशरथपुरा गोहद शामिल है।

बस और ट्रक की आमने-सामने भिडंत, वाहन चालक सहित 18 लोग घायल

भिण्ड। लहार थाना क्षेत्र में गनेश पुरा गांव के नजदीक स्टेट हाईवे पर एक बस और ट्रक की आमने-सामने की भिड़ंत है। इस हादसे में बस और ट्रक चालक समेत कुल-18 लोगों के चोट आई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। लहार थाना प्रभारी कुशल सिंह भदौरिया के मुताबिक धर्मेन्द्र ट्रेब्लर्स की बस बुधवार की सुबह करीब नौ बजे लहार से भिंड की ओर रवाना हुई। बस गनेशपुरा गांव के पास स्टेट हाईवे पर जा रही थी तभी सामने से आलू से भरा एक ट्रक तेज गति से आ रहा था। इसी समय दोनों में आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे का कारण ट्रक चालक को वाहन चलाते समय नींद आना बताया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही लहार थाना से पुलिस बल व एसडीओपी अवनीश बंसल पहुंच गए। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस व निजी वाहनों की मदद से लहार सिविल अस्पताल भेजा गया। इस हादसे में बस चालक की हालत नाजुक बताई जा रही है जिसे उपचार के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है।

हादसे में घायल यात्री: पवन गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी बीजासेन रोड लहार, राजकुमार पुत्र बाबूराम निवासी मिहोना, नाथू खान पुत्र काले खान निवासी लहार, राजू श्रीवास पुत्र बाबू श्रीवास निवासी नानपुरा, कासिम खान पुत्र लल्लू खान निवासी समथर जिला झांसी, मालती पत्नी बाबू गुप्ता निवासी पुराना बाजार लहार, प्रेमलता पत्नी रामनारायण गुप्ता, पुराना बाजार गल्ला मंडी लहार, बृजकिशोर पुत्र गेंदालाल वैश निवासी हरपुरा थाना असवार, अहिरवान दोहरे पुत्र रामपाल निवासी मझातौर लहार, रजिया पत्नी इरफान खान निवासी गौरई थाना मिहोना, सोनू पुत्र सुरेंद्र श्रीवास निवासी लहार, गुलफजा पुत्र रशक खां निवासी अजीतमल जिला औरैया यूपी, दीपक पुत्र गजार कुशवाह निवासी वार्ड नंबर 11 लहार, राम नारायण पुत्र राम प्रसाद निवासी गल्ला मंडी लहार, प्रेम नारायण पुत्र माता प्रसाद बरूआ निवासी चंदावली नंबर दो लहार, निशा पत्नी इशाक खान निवासी बावरपुर जिला अजीतमल यूपी, अरमान पुत्र इरशाद खान निवासी बावरपुर जिला अजीमल यूपी हैं।

गतिरोध होगा खत्म

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही कृषि कानून वापसी बिल दोनों सदनों में पास हो गया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कानून वापसी का बिल पेश किया। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत ने कहा, कृषि कानून वापस हो चुके हैं, लेकिन अब एमएसपी और किसानों की समस्याओं पर चर्चा होनी चाहिए। हम 4 दिसंबर को एक बैठक करेंगे और उस पर आंदोलन की दिशा तय की जाएगी। तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। कृषि कानूनों के मुद्दे पर पिछले एक साल से चला आ रहा गतिरोध अब खत्म होने की ओर है। कानून पर सरकार की पहल के बाद अब किसानों ने भी कुछ लचीला रुख दिखाना शुरू कर दिया है। पहले उन्होंने आंदोलन के एक साल पूरा होने के बाद संसद तक ट्रैक्टर रैली निकालने की घोषणा कर रखी थी। मगर अब उन्होंने उस रैली को रद्द कर दिया। यह अच्छी बात है कि उन्होंने अडियल रुख न दिखा कर बातचीत के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग दिया। उधर कृषि मंत्री ने भी कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने को लेकर प्रधानमंत्री एक समिति गठित करेंगे, जिसमें किसानों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। अभी तक यही कयास लगाए जा रहे थे कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के मामले में टालमटोल करेगी, मगर वह इस पर भी लचीला रुख अपना रही है, तो इससे दूसरी मांगों पर भी सहमति बनने के संकेत मिल रहे हैं। दरअसल, न्यूनतम समर्थन मूल्य को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबी है। इस पर स्वामीनाथन समिति ने अपनी सिफारिशें भी पेश कर दी थी, मगर सरकार उन्हें लागू नहीं कर पाई थी। इसका नतीजा यह है कि सरकार समर्थन मूल्य की घोषणा तो करती है, पर व्यापारी उस मूल्य पर अनाज नहीं खरीदते। किसानों को मजबूरी में काफी कम कीमत पर अपने अनाज बेचने पड़ते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनने से किसानों को अपनी लागत के अनुरूप राहत देने वाली कीमत मिल सकेगी। हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने को लेकर भी हर बार कुछ न कुछ असंतोष जरूर देखा जाता है, क्योंकि खेती में लागत काफी बढ़ती गई है। पिछले कुछ सालों में रासायनिक उर्वरक, बीज, बिजली और डीजल आदि की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है, उसके अनुसार समर्थन मूल्य घोषित नहीं होते। फिर मजदूरी का मानक भी स्पष्ट नहीं है। जो किसान खुद और परिवार के साथ खेतों में काम करते हैं, उसकी कोई कीमत नहीं आंकी जाती। इसलिए जब न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानून बनेगा, तो इन तमाम बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श की गुंजाइश बनेगी। अगर सरकार इस पर पारदर्शी और व्यावहारिक तरीके से आगे बढ़ती है, तो किसानों की नाराजगी दूर करने में उसे काफी कामयाबी मिल सकती है। रही बात किसान आंदोलनकारियों पर से मुकदमे वापस लेने की, तो वह सरकार के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है, क्योंकि वह कुछ जिद में और राजनीतिक नजरिए से उठाया गया कदम था। अब अगर सरकार ने सदाशयता दिखानी शुरू की है, तो उसे अपने इस रुख पर कायम रहना चाहिए। कृषि कानूनों पर सरकार और किसानों के बीच तनातनी काफी लंबी खिंच गई है। पर अब सरकार ने उनकी मांगों को मानना शुरू कर दिया है और आगे के मसले वह बातचीत के जरिए सुलझा लेना चाहती है, तो किसानों से भी अपेक्षा की जाती है कि पुरानी बातें भुला कर खुले मन से बातचीत की मेज पर पहुंचें और समस्याओं के समाधान तलाशने में सहयोग करें।

चीन के नये भूमि कानून से उपजे सवाल

रघु ठाकुर

चीन के नये भूमि कानून ने जिसे चीन के नेशनल पीपुल्स कान्फ्रेन्स ने 23 अक्टूबर 21 को पारित किया है। इससे न केवल भारत को बल्कि दुनिया को नये प्रकार के तनाव और चिन्ताओं में डाल दिया है। चीन के जितने भी पड़ोसी देश है उनके साथ केवल नेपाल को छोड़कर सभी से चीन का सीमा को लेकर विवाद है। चीन निरंतर अपने पुराने दावों को किसी न किसी रूप में दोहराता रहा है। ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता है। 1949 में चीन की क्रांति जिसके बाद माओ चीन के शासन के मुखिया बने उसके पहले जो इलाके कभी पुराने लम्बे समय में चीन के साथ रहे हैं, उन्हें वह अपना हिस्सा बताता है।

ब्रिटिश साम्राज्यवाद के जमाने में बहुत से ऐसे इलाके थे, जो बाद में जब अंग्रेजों ने उन्हें आजाद किया वे या तो अलग देश के रूप में रहे या किसी अन्य देश के क्षेत्रों के रूप में शामिल हुये।1962 में चीन ने जिस भारत की भूमि को सैन्य हमले के बाद अपने कब्जे में ले लिया था और जो कि वास्तव में 40,000 से 60,000 हज़ार वर्ग किलोमीटर के लगभग है उसके अलावा भी चीन लद्दाख, भूटान और अरूणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहा है। भारत और चीन के बीच में अभी तक जो सीमा विवाद था वह मुख्यतः 1962 के चीनी हमले के द्वारा चीन द्वारा कब्जाई हुई भारतीय भूमि को लेकर था। परन्तु लद्दाख अरूणाचल जो भारत के हिस्से हैं उन पर भी चीन अपने नक्शों में दावा कर रहा है, तथा जब कभी भारत के संवैधानिक मुखियों ने जैसे कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या रक्षामंत्री आदि ने अरूणाचल की यात्रा की तो चीन ने सदैव उन यात्राओं का औपचारिक विरोध यह कह कर किया कि यह चीन के हिस्से हैं। इनमें बगैर चीन की अनुमति के आने का अधिकार भारतीय शासकों को नहीं है, अरूणाचल प्रदेश हज़ारों साल के इतिहास से ही भारत का हिस्सा रहा है और डॉ. लोहिया तो उसे ''उर्वशीयम'' कहते थे क्योंकि वह उर्वशी का इलाका था। लोहिया ने तो अरूणाचल में जाकर भारतीय प्रतिबंधात्मक कानून को तोड़कर गिरफ्तारी दी थी और बगैर भारत सरकार से अनुमति लिये अरूणाचल में प्रवेश किया था, तथा कहा था कि, अपने ही देश में जाने के लिये सरकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। और आज जब चीन अरूणाचल पर अपना दावा ठोकता है तब लोहिया की बात की गहराई व निहतार्थ समझ में आता हैं। लोहिया ने अरूणाचल की यात्रा बगैर सरकार की अनुमति के करके न केवल भारत सरकार के प्रतिबंध को तोड़ा था बल्कि चीन के तथाकथित दावे का खंडन भी किया था। पूर्वी लद्दाख जो भारत का हिस्सा है, उस पर भी चीन अपना अधिकार बता रहा है। भारत और चीन के बीच अरूणाचल से लेकर लद्दाख तक लगभग 3488 कि.मी. लम्बी भारतीय भूमि को लेकर यह विवाद है। याने चीन लगभग 60,000 वर्ग कि.मी. जमीन जो भारतीय भूमि पर बलात कब्जा कर अपना दावा जताता रहा है, और इसी प्रकार भूटान को भी अपना हिस्सा बताता है। अरूणाचल, भूटान, और पूर्वी लद्दाख को वह नस्लीय आधार पर अपना हिस्सा बताता, है याने तात्पर्य मंगोल प्रजाति के आधार पर वह अपना दावा बताता है। अरूणाचल के सुबन सिटी जिले में चीन ने एक पूरा गाँव ही भारत की कब्जाई जमीन पर बना लिया है। पेंटागन ने भी इसकी पुष्टि की है। 1959 में चीन ने इस जमीन पर कब्जा किया था जिसे लोगजू कहा जाता है। हालांकि अरूणाचल, लद्दाख और भूटान की आबादी में भी मंगोल प्रजाति के समग्र लक्षण नहीं मिलते है। तिब्बत को भी चीन मंगोल प्रजाति का बताता है। अगर बारीकी से तुलना व अध्ययन किया जाये तो इन इलाकों के लोग एक मिश्रित नस्ल के लोग है और उनकी बनावट अपने क्षेत्रों, भौगोलिक और जलवायु के आधार पर स्थानीयता से प्रभावित है। जिन्हें ''भारतीय हिमालय प्रजाति'' के रूप में पहचाना जा सकता है। जिनके लंबाई, रंग भारतीय है, केवल नाक व आँख मंगोल जैसी है। चीन का अन्य 12 पड़ोसी देशों से भी सीमा विवाद रहा है। जिसे चीन ने दबाव बनाकर और उनके कुछ इलाकों पर बेजा कब्जा कर उन्हें बलपूर्वक हथिया कर उनके साथ समझौता किया है। अब चीन ताइवान को दबाकर अपने कब्जे में लेना चाहता है। हाँलाकि ताइवान भी इसका प्रतिकार करने को तैयार है। ताइवान ने भी चीन के संभावित हमले की आशंका को देखकर अपनी सैन्य तैयारी शुरू की है। हाल ही में चीन ने ताइवान से सटे हुये प्रदेश के अपने नागरिकों से दीर्घकाल के लिये राशन व जरूरत का सामान इकट्ठा करने को कहा है। जिसका एक संकेत दुनिया में यह निकाला जा रहा है कि चीन ताइवान के साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है, और संभावित युद्ध व हमले से जो परिस्थितियाँ पैदा हो सकती है, उनसे बचाने के लिये अपने चीनी देशवासियों के लिये मानसिक व भौतिक रूप से तैयार कर रहा है। ताइवान में भले ही ताईवान की अपनी सैन्य क्षमता कम हो परन्तु दुनिया के अन्य देशों का हस्तक्षेप एक बड़े युद्ध का रूप ले सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडन ने तो स्पष्ट घोषणा की है कि इस स्थिति में अमेरिका ताइवान के साथ खड़ा होगा और अगर युद्ध की आवश्यकता हुई तो वह भी करेगा। अमेरिका और चीन के मध्य विश्व शक्ति और अपने अपने प्रभाव क्षेत्र को फैलाने की जो प्रतिस्पर्धा है वह अब टकराव की स्थिति में आ गई है। अमेरिका चीन की बढ़ती हुई आर्थिक शक्ति और वैश्विक हस्तक्षेप से चिंतित है और उसे रोकने के लिये कटिबद्ध नज़र आता है, अतीत में भी अमेरिका अपने आर्थिक, सामाजिक और राष्ट्रीय हितों के लिये वियतनाम से लेकर ईराक या अफगानिस्तान तक सैन्य हस्तक्षेप करता रहा है, और केवल उनकी अपनी गोरी नस्ल के विवादों के बारे में भले ही वह अलग प्रकार की नीति अख्तियार करता हो पर गैर गौरी नस्लों के क्षेत्रों में उसने हर प्रकार की सामरिक शक्ति का इस्तेमाल किया है। जैसे जापान से लेकर ईराक, अफगानिस्तान तक। इन्हें बीसवीं सदी में दुनिया देख चुकी है। चुंकि ताइवान और चीन दोनों मंगोल नस्ल के हैं, गोरी चमड़ी वाले नस्ल के नहीं है, अतः हो सकता है अमेरिका इसमें गंभीरता से युद्ध के रूप में भी हस्तक्षेप करे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो स्पष्ट घोषणा की है कि अगर ताईवान पर चीन का हमला हुआ तो अमेरिका ताईवान के साथ मिलकर युद्ध लड़ेगा। क्वार्ड के नाम से जो एक नया वैश्विक समूह संगठित हुआ है, जिसमें भारत भी शामिल हुआ है, वह भी चीन के साम्राज्यवादी, विस्तारवादी रवैये का मुकाबला करने के लिये एक नये वैश्विक मंच के रूप में अस्तित्व में आया है, परन्तु ताइवान फिर एक बार विश्व युद्ध का मुद्दा व केन्द्र बन सकता है जो भारत व एशिया के लिये अनेक रूप से प्रभावित करेगा। अमेरिका की चीन से दूरी हज़ारों कि.मी. की है, परन्तु चीन व ताइवान तथा चीन व भारत की भूमि सटी हुई है युद्ध के प्रभाव इसी भूमि पर ज्यादा पड़ सकते हैं।

चीन के विस्तारवादी रवैये के बारे में तो डॉ. लोहिया ने तभी आगाह करना शुरू कर दिया था जब हिन्दुस्तान और चीन के प्रधानमंत्री स्व. नेहरू व स्व. चाऊ एन लाई पंचशील के भजन गा रहे थे। आजकल कुछ बुद्धिजीवी मित्रों ने पंचशील के पाँच बिन्दुओं की व्याख्या कर पंचशील समझौते को सही ठहराने का नया उपक्रम शुरू किया है। कांग्रेस और नेहरूवादी तथा कुछ वामपंथी जमातों का समूह इस अभियान में सक्रिय है, परन्तु वे पंचशील की व्याख्या के नाम पर मूल मुद्दे से भटकाना चाहते हैं। पंचशील के पाँच सिद्धान्तों की शाब्दिक व्याख्या अवश्य भिन्न हो सकती है जो निरस्तीकरण, शाँति, शील आदि शब्दों को जुमलों या पाखंड के रूप में प्रस्तुत की जा सकती है। परन्तु मुद्दा यह था कि क्या चीन जो समझौता कर रहा था वह इन सिद्धान्तों के प्रति ईमानदार था? या यह सिद्धान्त उसके लिये धोखा देने के लिये और अपने शत्रु को भ्रम में रखने के तरीके थे। दरअसल वह भारत को सुप्त रखना चाहता था ताकि भारत उसके संभावित हमले के मुकाबले के लिये आवश्यक सैनिक तैयारी नहीं कर सके। इसलिये समझौते के दो वर्ष के बाद तक चीन अपनी गुप चुप तैयारी करता रहा उसने 1962 में भारत पर हमला कर दिया। भारत की हज़ारों कि.मी. भूमि को कब्जे में ले लिया जो अभी तक उसके कब्जे में है। चीन के द्वारा 1962 में कब्जाई हुई सीमा का विवाद अभी भारत हल नहीं कर सका और इसी बीच वर्ष 2020-21 में उसने डोकलाम, गलवान घाटी में पुनः सैन्य शक्ति का प्रयोग कर अपनी सीमा को कई कि.मी. तक आगे बढ़ा लिया।

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था। लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया। वह स्वयं भी उसे पढ़ाता था और नई-नई बातें सिखाता था। थोड़े ही समय में उस बालक ने उच्च शिक्षा हासिल की और काफी कुछ ज्ञान अर्जित कर लिया। बड़ा होने पर यह बालक यूनान के महान दार्शनिक पाइथागोरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। और जिस व्यक्ति ने उसे अपने यहां रखा था वह था यूनान का विख्यात तत्व ज्ञानी डेमोप्रीट्स।

क्या केवल नेहरू-गाँधी का 'परिवारवाद' ही लोकतंत्र के लिये ख़तरा ?

निर्मल रानी

अथवा संरक्षण देने की बात होती है तो कांग्रेस विरोधी केवल नेहरू-गाँधी परिवार पर ही सीधा निशाना साधते हैं। कभी कभी तो यह आरोप उस समय और भी हास्यास्पद प्रतीत होने लगते हैं जबकि स्वयं परिवारवादी राजनीति को प्रश्रय देने या परिवारवाद की राजनीति का शिकार लोग ही नेहरू-गाँधी परिवार पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। अभी विगत 26 नवंबर 2021 को भारत को अपना संविधान अपनाए हुए 72 वर्ष पूरे हुए। इसी दिन वर्ष 1949 में बाबा साहब डॉ. भीम राव आंबेडकर ने देश को नया संविधान सौंपा था, जिसे 26 जनवरी 1950 को पूरे देश में लागू कर दिया गया था। इस अवसर पर गत 26 नवंबर 2021 संसद भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम विशिष्ट लोग मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्यों की पिछली सरकारों पर निशाना साधा। परिवारवाद की राजनीति पर तंज़ कसते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि- भारत एक ऐसे संकट के तरफ़ बढ़ रहा है, जो संविधान के प्रति समर्पित लोगों के लिए चिंता का विषय है। लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वालों के लिए चिंता का विषय है और वो हैं पारिवारिक पार्टियां। प्रधानमंत्री ने योग्यता के आधार पर परिवार के एक से अधिक लोगों के पार्टी में शामिल होने पर सहमति जताई। लेकिन एक ही पार्टी में पीढ़ी दर पीढ़ी राजनीति में शामिल हो रहे लोगों को परिवारवाद की राजनीति से प्रेरित कहा। ÷लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वाले लोगों के लिए चिंता का एक विषय है और वो हैं पारिवारिक पार्टियाँ। राजनीतिक दल 'पार्टी फ़ॉर द फ़ैमिली , 'पार्टी बाय द फ़ैमिली 'ज अब आगे कहने की मुझे ज़रूरत नहीं लगती है। ये संवैधानिक भावना के ख़िलाफ़ है, संविधान के विपरीत है। एक पार्टी जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार चलाता रहे, पार्टी की सारी व्यवस्था परिवारों के पास रहे, वो स्वस्थ लोकतंत्र के

लिए सबसे बड़ा संकट होता है। प्रधानमंत्री की उपरोक्त चिंता क्या वास्तव में इसीलिए है कि राजनीति में परिवारवाद की व्यवस्था स्वस्थ लोकतंत्र के लिये बड़ा संकट और संविधान के लिये ख़तरा है ?क्या यह %समस्या % केवल भारतीय राजनीति की ही समस्या है ? और क्या भारतीय जनता पार्टी व उसके अनेक सहयोगी दल परिवारवाद की राजनीति का शिकार नहीं ? आख़िर क्यों केवल नेहरू-गाँधी परिवार को ही परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा अथवा संरक्षण देने का ज़िम्मेदार ठहराया जाता है ? सर्वप्रथम तो यदि हम अपने पड़ोसी लोकतान्त्रिक देशों पर ही नज़र डालें तो पाकिस्तान में भुट्टो व शरीफ़ परिवार ,बांग्लादेश में शेख़ व ज़िया परिवार तथा श्रीलंका में राजपक्षे व भंडारनायके परिवार के अतिरिक्त भी ऐसे कई राजनैतिक घराने मिलेंगे जिनकी पीढ़ियां दर पीढ़ियां अपनी पुश्तैनी राजनैतिक विरासत को बख़ूबी संचालित कर रही हैं। यह घराने चुनाव जीतते भी हैं और हारते भी। सत्ता में भी रहते हैं और विपक्ष में भी। ज़ाहिर है ऐसा तभी संभव होता है जबकि जनसमर्थन भी इनके साथ हो। परिवार की ओर से थोपे जाने मात्र से कोई भी नेता जनस्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी भारतीय जनता पार्टी में दर्जनों शीर्ष नेता ऐसे हैं जो अपनी संतानों या परिवार के निकट रिश्तेदारों को अपनी राजनैतिक विरासत हस्तांतरित कर चुके हैं या कर रहे हैं। हाँ स्वयं नरेंद्र मोदी,मनोहर लाल खट्टर व योगी आदित्य नाथ जैसे नेताओं को इस तरह का उपदेश देने में आसानी ज़रूर होती है क्योंकि इन लोगों को पारिवारिक चिंताओं व ज़िम्मेदारियों का न तो अंदाज़ा है न ही एहसास। नेहरू गाँधी परिवार की आलोचना का कोई अवसर न गंवाने वालों के साथ एक समस्या यह भी है कि कांग्रेस जनों को या शीर्ष कांग्रेस नेताओं को भले ही नेहरू-गाँधी परिवार द्वारा पार्टी का नेतृत्व किया जाना उनके लिये गौरव की बात क्यों न हो परन्तु भाजपाइयों के पेट में नेहरू गाँधी परिवार द्वारा कांग्रेस नेतृत्व किये जाने को लेकर मरोड़ ज़रूर उठता रहता है।

कोरोना: सावधानी ही बचाव

सूडोकु नवताल- 5909

✱✱✱✱✱ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5908 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

सुरेश हिंदुस्थानी

वर्तमान में यह स्पष्ट तौर पर परिलक्षित हो रहा है कि विश्व में मानवीय विकास के नाम पर जो कुछ भी हो रहा है, वह मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी है। आज कहने मात्र के लिए विश्व ने विकास तो किया है, लेकिन अपने लिए कई प्रकार की समस्याएं भी निर्मित की हैं। जीवन की भागदौड़ के चलते हमारा ध्यान स्वयं के प्रति केंद्रित होता जा रहा है। मात्र आर्थिक समृद्धि के लिए व्यक्ति बेईमानी तक करने पर उतारू हो गया है। और समाज भी जल्दी प्राप्त करने की मानसिकता के चलते इन वस्तुओं को स्वीकार करने लगा है। वास्तव में सारी समस्याओं का मूल यही है कि हम जाने अनजाने में जिस प्रकार की गलतियां कर रहे है, उससे समाज जीवन पर विनाशकारी प्रभाव हो रहा है। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर भी इसी प्रकार की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

पिछले दो वर्ष से कोरोना का दंश विश्व के सभी देशों ने झेला है। इसको रोकने को लेकर कई प्रकार के दिशानिर्देश भी दिए गए, लेकिन इसके बाद भी कोरोना वायरस ने अपना दुष्प्रभाव छोड़ा। कोरोना वायरस की प्रथम और दूसरी लहर के चलते जिस प्रकार की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण आज भी भय का वातावरण बना हुआ है। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जिस प्रकार के भय का वातावरण निर्मित किया गया, उसके कारण कई लोग अपनों से इतने दूर हो गए कि उनके अपने ही उनके पास तक नहीं जा रहे थे। इस प्रकार के भ्रम के वातावरण बनाने में हमारा समाज ही जिम्मेदार है। अब कोरोना वायरस के नए प्रकार की चर्चा होने लगी है। विश्व के कुछ देशों में इसे लेकर गंभीर चिंता भी होने लगी है। यह चिंता जायज भी है, क्योंकि जब मानव जीवन प्रभावित होता है तो उस देश की गतिविधियों पर भी व्यापक असर होता है। व्यापारिक संस्थानों में कार्य करने के लिए जिस मानवीय शक्ति की आवश्यकता होती है, उसका अभाव होने लगता है। इस कारण पर्याप्त उत्पादन भी नहीं होता और देश की आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव होता है। इसलिए कोरोना वायरस के प्रति केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को गहनता से मंथन करने की आवश्यकता है। यह बात सही है कि किसी भी कार्य में लापरवाही का परिणाम सदैव घातक होता है। कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान की गई लापरवाही जहां व्यक्तिगत जीवन के लिए हानिकारक होती है, वहीं सामूहिक जीवन के लिए भी विनाशकारी हो सकती है, इसलिए हमें व्यक्तिगत चिंता के साथ सामाजिक रक्षा की दिशा में भी सक्रिय होकर चिंता करने की आवश्यकता है। हालांकि इस दिशा में भारत सरकार ने प्रभावी नियंत्रण की नीति अपनाते हुए कठोर कदम उठाने प्रारंभ कर दिए हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम जनता को भी सोचने और विचार करने की पहल करनी होगी। तीसरी लहर के आने से पहले ही सचेत होने और समाज को सचेत करने की बहुत आवश्यकता है। कोरोना का नया वायरस कितना प्रभाव छोड़ेगा, इसका आकलन करना अभी संभव नहीं है, लेकिन पिछले दो बार के अनुभव इसका आभास कराने के लिए काफी हैं। ये दोनों समय के अनुभव किसी भी प्रकार से ठीक नहीं माने जा सकते। अच्छी बात यह है कि नए वायरस ओमीक्रोन के मामले भारत में नहीं हैं, इस बात की पुष्टि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है, लेकिन यह वायरस दक्षिण अफ्रीका से अब तक लगभग 16 देशों में प्रसारित हो चुका है। जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देश इसकी चपेट में आ चुके हैं। अमेरिका जैसे समृद्ध देश तीसरी लहर की चपेट में आ चुके हैं। इसको देखते हुए महाराष्ट्र के मुंबई में जो विद्यालय खुलने वाले थे, उनका प्रतिबंध 15 दिन के लिए और बढ़ा दिया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका से आने वाले व्यक्तियों पर विशेष दृष्टि रखी जा रही है। इसको लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी जारी करते हुए इस वायरस को विश्व के लिए सर्वाधिक खतरनाक बताया है। इसलिए इसको लेकर अभी से सावधान होने की आवश्यकता है।

संसद: बिना ब्रेक की गाड़ी ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

सरकार ने कृषि-कानून हड़बड़ी में वापस ले लिया और राज्यसभा के 12 सदस्यों को वर्तमान सत्र के लिए मुअत्तिल भी कर दिया। इन दोनों मुद्दों को लेकर विपक्षी दल यदि संसद के वर्तमान सत्र का पूर्ण बहिष्कार कर दें तो आश्चर्य नहीं होगा, हालांकि कुछ विपक्षी सांसदों की राय है कि बहिष्कार नहीं किया जाना चाहिए। मैं भी सोचता हूं कि संसद के दोनों सदनों का यदि विपक्ष बहिष्कार करेगा तो उसका तो कोई फायदा नहीं होगा बल्कि सत्तारुढ़ दलों को ज्यादा आसानी होगी। वे अपने पेश किए गए विधेयकों को बिना बहस के कानून बनवा लेंगे। इस सरकार का जैसा रवैया है याने इसने नौकरशाहों को पूरी छूट दे रखी है कि वे जैसे चाहें, वैसे विधायक बनाकर पेश कर दें। नतीजा क्या होगा? कुछ कानून तो शायद अच्छे बन जाएंगे लेकिन कुछ कानून कृषि-कानूनों की तरह बड़े सिरदर्द भी बन सकते हैं। वर्तमान स्थिति में यदि ऐसा हुआ तो क्या इसका दोष विपक्ष के माथे नहीं आएगा? विपक्षी सदस्यों ने पिछले सत्र में जो हंगामा राज्यसभा में मचाया था, वह काफी शर्मिंदगी पैदा करनेवाला था। कुछ विरोधी सदस्यों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट भी की। उपराष्ट्रपति वैंकय्या नायडू इतने परेशान हुए कि उनकी आंखों में आंसू भर आए। पिछले 60 साल से मैं भी संसद को देख रहा हूं। ऐसा दृश्य मैंने पहले कभी नहीं देखा और इस बार तो उस दृश्य को टीवी चैनलों पर सारा देश देख रहा था। सत्तारुढ़ दल ने कोशिश भी की कि अनुशासन की कार्यवाही करने के पहले विरोधी दलों से परामर्श किया जाए लेकिन उसका भी उन्होंने बहिष्कार कर दिया। ऐसे में 12 हंगामी सदस्यों को मुअत्तिल कर दिया गया। राज्यसभा के नियम 256 के मुताबिक ऐसी कार्रवाई सत्र के चालू रहते ही की जाती है, जो अब से पहले 13 बार की गई है लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि इस सत्र में किए गए दोष की सजा अगले सत्र में दी जाए। पिछले सत्र में हुए इस हंगामे के कारण इस सत्र को बेमजा कर देना ठीक नहीं है। हंगामेबाज सांसदों को चाहिए कि राज्यसभा-अध्यक्ष और उप-राष्ट्रपति वैंकय्या से वे लोग उन्हें दुखी करने के लिए क्षमा मांगे और भविष्य में मर्यादा-पालन का वायदा करें ताकि संसद के दोनों सदन इस बार सुचारु रूप से चल सकें। यदि इन दोनों सदनों का विपक्षी दल बहिष्कार करेंगे तो वे देश में चल रही लोकतांत्रिक व्यवस्था को पहले से भी अधिक क्षीण करने के दोषी होंगे। मोदी सरकार की मोटर गाड़ी यों भी बहुत तेज भागती रहती है। यदि विरोधी दल घर बैठ जाएंगे तो यह गाड़ी बिना ब्रेक की हो जाएगी।

सेवाकाल के अंतिम चरण में क्षेत्रवासी व स्टाफ के अपार प्रेम को भुला नहीं पाऊंगाः रघुवंशी

कैलारस एसडीओपी शशीभूषण रघुवंशी की सेवानिवृति पर विदाई समारोह सम्पन्न

कैलारस। हिमांशु पैलेस में वुधवार को एसडीओपी कैलारस शशि भूषण सिंह रघुवंशी के सेवानिवृत होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विशेष अतिथि के रूप में एसडीओपी जौरा मानवेन्द्र सिंह व ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ एस आर मिश्रा उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम का आयोजन कैलारस, चिन्नौनी, पहाडगढ, झुंडपुरा, टेंटरा के पुलिस स्टाफ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पुलिस स्टाफ के अलावा नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी व पत्रकारों ने भागीदारी की। इस अवसर पर सेवानिवृत एसडीओपी शशिभूषण सिंह रघुवंशी के सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई पारी की शुभकामनाएं दी।

विदाई समारोह के मौके पर एसडीओपी शशिभूषण सिंह रघुवंशी ने कहा कि मेरे 38 वर्ष के सेवा काल में मुझे जनता, स्टाफ व पत्रकारों का भरपूर सहयोग मिला। लेकिन कैलारस के 15 माह के कार्यकाल में यहां के लोगों जिसमे स्टाफ, गणमान्य नागरिक, राजनेता व पत्रकार सभी का अपार स्नेह मुझे मिला, जिसे में कभी नही भुला पाऊंगा। उन्होंने कहा कि सेवाकाल की पहली पोस्टिंग व आखिरी दिन हमेशा जीवन में यादगार रहते है। कार्यक्रम में एसडीओपी शशिभूषण सिंह रघुवंशी का एसडीओपी मानवेंद्र सिंह जौरा, वेदेन्द्र सिंह कुशवाहा थाना प्रभारी कैलारस, अविनाश सिंह राठौर थाना प्रभारी चिन्नौनी, मंगल सिंह सबलगढ़, थाना प्रभारी जयदीप सिंह भदोरिया टेंटरा, थाना प्रभारी, धर्मेंद्र गौर थाना प्रभारी पहाड़गढ़, विवेक सिंह निरार, सब इंस्पेक्टर अमरसिंह राजावत, प्रीति जादौन एवं समस्त स्टाफ के द्वारा पुष्पहार पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा डॉ एस आर मिश्रा बी एम ओ, जालिम सिंह धाकड बीईओ, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू गुप्ता, राजेन्द्र शुक्ला, ब्रजेश बंसल, नागेश शर्मा जापथाप, महेश श्रीवास्तव, अरुण सिंघल अन्नो, अशोक राणावत, लल्ला सिंह भर्रा, विशम्भर सिंह भर्रा, किशोर अग्रवाल, सौरभ बंसल, प्रदीप मंगल, गिर्राज सिंगरौली, विजय धाकड, पत्रकारगण राधाकृष्ण सिंघल, अमर सिंह जदोन, जितेन्द्र जादोन, दीपेंद्र सिंह जादोन, गजेंद्र सिंह तोमर, सुनील मोर्य, अखलेश पाराशर (सोनू), राजेन्द्र गोड, हाकिम सिंह आर्य, लोकेश शुक्ला, सतेंद्र सिकरवार सहित उपस्थित सभी ने एसडीओपी श्री रघुवंशी का पुष्पहार पहनाकर व साफा बांधकर सम्मान किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ वंदे-मातरम गायन

मुरैना। राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान 'जन गण मन' का कलेक्ट्रेट में प्रातः 10 बजे गायन किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर बी.कार्तिकेयन के निर्देशन में डिप्टी कलेक्टर सुरेश बराहदिया द्वारा वंदे-मातरम गायन कराया गया। इस अवसर पर अन्य विभागों अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्रगीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र गान जन-गण-मन का आयोजन कलेक्ट्रेट में किया जाता है।

राजस्व अधिकारियों की वर्चुअल बैठक आज

मुरैना। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की वर्चुअल बैठक आज 02 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में आयोजित की गई है। बैठक में समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहेंगे। जबकि जिला मुख्यालय के एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित रहेंगे।

नेशनल लोक अदालत 11 दिसम्बर को

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के सदस्य, सचिव द्वारा नेशनल लोक अदालत 11 दिसम्बर को आयोजित की जायेगी। नेशनल लोक अदालत में केटेगिरी अनुसार लंबित, प्रिलिटिगेशन, मुकदमा पूर्ण, न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य, निम्न प्रकृति के प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण हो। इस संबंध में कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देशित किया है कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

बूथ जीता-चुनाव जीता को लेकर भाजपा की ग्राम स्तरीय बैठक संपन्न

कैलारस। भारतीय जनता पार्टी मंडल कैलारस की ग्राम केंद्र रिठौनिया की बैठक ग्राम बरई में सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ जीतो-चुनाव जीतो को लेकर सभी ग्राम केंद्रों के पंचायतों में पन्ना प्रमुख बनाए जाने को लेकर चर्चा हुई।

बैठक में विशेष रुप से भाजपा के वरिष्ठ नेता सूरज प्रताप सिंह रजोधा उपस्थित रहे। भाजपा नेता ने ग्राम केंद्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की कुशल नीतियों को लेकर जन-जन तक पहुंचाने के लिए पन्ना प्रमुख बनाए जाने हैं। कार्यक्रम में ग्राम केंद्र संयोजक द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और मुख्य अतिथि सूरज सिंह को साफा बांधकर और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। ग्राम केंद्र की बैठक में पालक संयोजक एवं पंचायत प्रभारी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक को भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू गुप्ता एवं पार्टी महामंत्री महेश श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। अंत में आभार प्रदर्शन भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अशोक राणावत ने किया।

ग्राम केंद्र की बैठक में मुख्य अतिथि सूरज प्रताप सिंह के अलावा राजू गुप्ता मंडल अध्यक्ष, महेश श्रीवास्तव मंडल महामंत्री, अशोक राणावत उपाध्यक्ष, अजमेर सिंह यादव ग्राम केंद्र पालक, लक्ष्मी यादव, नृपाल यादव, जंडेल शाक्य, अजय कुशवाह, कमल सिंह यादव, मुन्ना लाल यादव, रवि यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सबको वैक्सीन का दूसरा डोज लगाना सबसे बड़ा काम और पहली प्राथमिकता : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के सदस्यों को संबोधित

भिण्ड । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पिछले दिनों भोपाल, इंदौर और जबलपुर में लगातार कोरोना पॉजिटिव केस आ रहे हैं। कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। अलग-अलग लोकेशन पर मरीज मिले हैं। यह हमें आगाह करने के लिए काफी है। कोरोना टेस्ट हम लगातार कर रहे हैं। जो लक्षण दिखाई दे रहे हैं वह आने वाले संकट की आहट हैं। जरूरी है कि हम प्राण-प्रण से पूरी सावधानी रखें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉफ्रेंस द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर और क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने दक्षिण अफ्रीका के कुछ देशों में आए नए कोरोना वेरिएंट और उसके प्रभावों के संबंध में प्रेजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में कोरोना संक्रमण और टीकाकरण की वर्तमान स्थिति और नए वेरिएंट के प्रसार के संबंध में क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों को मालूम होना जरूरी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कोरोना के नए वेरिएंट से उत्पन्न तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए रखी जाने वाली सतर्कताएँ तथा वैक्सीनेशन महा अभियान के अंतर्गत 31 दिसंबर तक दूसरे डोज का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के संबंध में जिला स्तरीय, विकास खण्ड स्तरीय, वार्ड स्तरीय तथा ग्राम स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों के सदस्यों को संबोधन वर्चुअल माध्यम से देखा एवं सुना गया। इस दौरान एनआईसी बीसी कक्ष भिण्ड से कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एसपी मनोज कुमार सिंह, एडीएम प्रवीण फुलपगारे, संयुक्त कलेक्टर वरुण अवस्थी, डिप्टी कलेक्टर महेश बड़ोले, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उर्वरक विक्रेता जिंदल ट्रेडिंग कंपनी पोरसा का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुरैना। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पोरसा द्वारा 25 नवम्बर को जिंदल ट्रेडिंग कंपनी पोरसा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिंदल ट्रेडिंग कंपनी द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने का वीडियो वायरल की जांच की। जांच में जिंदल ट्रेडिंग कंपनी द्वारा दर से अधिक दर पर उर्वरक विक्रय होते पाया गया। इस पर कलेक्टर बी.कार्तिकेयन के निर्देशन में उपसंचालक कृषि अनंत कुमार सडैया द्वारा उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के अनुसार एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पोरसा की अनुशंसा के आधार पर उर्वरक विक्रेता जिंदल ट्रेडिंग कंपनी का प्रदाय उर्वरक पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

ग्राम पंचायत ताजपुर के रोजगार सहायक की सेवा समाप्त

मुरैना। जनपद पंचायत पहाडगढ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी 9 नवम्बर के प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम पंचायत ताजपुर की रोजगार सहायक श्रीमती संजू सिकरवार की सेवा समाप्ति के आदेश कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने जारी किये है। निर्देशों में बताया गया है कि ग्राम पंचायत ताजपुर की रोजगार सहायक श्रीमती संजू सिकरवार द्वारा शासकीय कार्य में कोई रूचि न लेना, शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से समय पर लोगों को लाभ नहीं दिलवाना तथा विकासखण्ड मुख्यालय पर समय-समय पर होने वाली बैठकों में अनुपस्थित रहना। इन सब आरोपों को मानते हुये कई बार श्रीमती संजू सिकरवार को स्मरण पत्र भी जारी किये गये थे, किंतु इनके द्वारा घोर अनियमिततायें बरतीं गई। बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित भी रहतीं थी। इन सब आरोपों को मानते हुये कलेक्टर ने श्रीमती संजू सिकरवार की सेवा समाप्ति के आदेश जारी किये है।

एड्स पर आधारित कार्यशाला को सीएमएचओ ने संबोधित किया

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एडी शर्मा ने कहा कि एड्स के प्रति लोगों में जागरूकता फैलायें। ऐसे क्षेत्रों में जायें, जहां लोग इस एड्स अनिभिग्य हों। अधिकतर लोग एड्स के प्रति जनजागरूक हों। इसमें विभिन्न संस्थाऐं एनजीओ सकारात्मक भूमिका के साथ सहयोग प्रदान करें। यह बात उन्होंने बुधवार को एड्स दिवस के अवसर पर सीएमएचओ कार्यालय के सभागार में संबोधित करते हुये कही। इस अवसर पर एड्स के नोडल डीपीएम एसपी श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के ओर से नीरज गुप्ता, चिकित्सक एवं विभिन्न संस्थाओं के एनजीओ मौजूद थे।

विश्व एड्स दिवस पर पूर्व विधायक कंषाना ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

मुरैना। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बुधवार को जन-जागरूकता रैली का शुभारंभ प्रातः 9.30 बजे पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.डी. शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. बिनोद कुमार गुप्ता, एड्स के नोडल डॉ. बी.एल. मौर्य, डीपीएम एसपी श्रीवास्तव, परियोजना संचालक हरपाल सिह सेंगर, रेडक्रॉस के सचिव गोपालदास गॉधी, सुवैक्षा प्रोजेक्ट डॉ. ओ.पी. शुक्ला, राघवेन्द्र शर्मा, विहान प्रोजेक्ट मनीष शर्मा, श्वेतना प्रोजेक्ट रामअवतार श्रीवास्तव, एनसीसी प्रभारी उमेश तिवारी, डिप्टी मीडिया ऑफीसर श्रीमती रामलली माहौर, डिप्टी एमईआईओ श्रीमती बसंती बाजोरिया उपस्थित रही।

जनजागरूकता रैली मे जिले के एनजीओ, शा.बा.उ.मा.विघालय क्रं-01 मुरैना के एनसीसी स्काउड, पी.जी. कॉलेज मुरैना के एनसीसी, रेडरिबन क्लब, शा. कन्या महाविघालय की छात्राऐं, पेरामेडीकल कॉलेज के छात्र-छात्राऐं एवंरेडरिबन क्लब के सदस्य उपस्थित हुये। जन-जागरूकता रैली शहर के विभिन्न मार्गो एम.एस.रोड, सदर बाजार, गोपीनाथ की पुलिया से होकर, संग्रहालय, एम.एस.रोड मुरैना में मानव श्रखंला बनाकर जनसमुदाय को जागरूक किया गया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जनपद पर सत्याग्रह आरंभ, सीईओ को सद्बुद्धि देने गाए भजन

सबलगढ। जनपद पंचायत सबलगढ़ में सीईओ द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा सत्याग्रह आरंभ कर सीईओ को सदबुद्धि देने हेतु भजन कीर्तन गाए और जिला कलेक्टर एवं शासन से कार्यवाही की मांग की। सबलगढ़ जनपद में पदस्थ ब्लॉक समन्वयक परियोजना अधिकारी सतेंद यादव, उपयंत्री गौरव जैन के खिलाफ लंबित भ्रष्टाचार संबंधित शिकायतों पर विभाग एवं संयुक्त आयुक्त मध्य प्रदेश रोजगार गारंटी परिषद द्वारा सेवा समाप्ति नोटिस जारी किए जाने के बाद भी उनके आदेशों का पालन नहीं किया गया। जनपद में पदस्थ संविदा कर्मचारी सतेंद्र यादव का मूल पद ब्लॉक समन्वयक है, लेकिन वह बीते कई सालों से अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी व सहायक लेखापाल अधिकारी का चार्ज देख रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ रोशन कुमार ने 14 सितंबर को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किया, जिसमें सतेंद्र यादव के कामकाज पर नाराजगी जताते हुए लिखा कि बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी बनकर बैठे हैं। ग्राम पंचायत में वाटर सेट योजना के काम स्वीकृत करने के नाम पर सरपंच सचिवों से वसूली की जाती है। जिला सीईओ ने लिखा कि 29 जनवरी, 23 फरवरी, 5 मई को कारण बताओ नोटिस दिया, लेकिन यादव ने एक भी नोटिस का जवाब नहीं दिया। वहीं सविदा कर्मचारी उपयंत्री गौरव जैन को नोटिस में कहा गया है कि 26 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत निर्माण कार्य नहीं हो रहा है, हर काम का एक ही समान एस्टीमेट बनाया जाता है, किसी भी काम का निरीक्षण नहीं किया जाता है व घटिया निर्माण कार्य किए जा रहे हैं और उन्हें कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है। दोनों संविदा कर्मचारियों के खिलाफ अब तक लगभग एक दर्जन से अधिक नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई है। जिसके चलते सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेंद्र चतुर्वेदी, जितेंद्र जाटव, दिलसार खान, सतेंद धाकड़ सहित अन्य लोग सबलगढ़ जनपद पंचायत परिसर में सत्याग्रह पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि जब तक भ्रष्ट कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, हमारा सत्याग्रह जारी रहेगा।

अक्षय कुमार की राम सेतु से बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं तेलुगु अभिनेता सत्यदेव

तेलुगु फिल्मों में उनके काम को व्यावसायिक और आलोचनात्मक प्रशंसा मिलने के साथ, तेलुगु अभिनेता सत्यदेव ने विशेष रूप से पिछले एक साल में अच्छी खासी संख्या हासिल कर ली है। अब, वह अक्षय कुमार-स्टारर राम सेतु से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने के लिए तैयार हैं, और उनका कहना है कि हिंदी फिल्मों की खोज करना हमेशा उनके दिमाग में था। जहां वह अपने चरित्र के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं, वहीं सत्यदेव बड़े बजट की हिंदी परियोजना के बारे में बैकस्टोरी देने में सहज हैं। उनका कहना है, यह कहीं से भी निकला। मैंने वहां अपना प्रोफाइल भी नहीं रखा था, और यह मेरी गोद में आ गया। यह एक बहुत अच्छी भूमिका है। कुछ चीजें होती हैं और हमें एहसास भी नहीं होता है कि यह हो रहा है और इसी तरह से मेरा बॉलीवुड डेब्यू हुआ। मैं कहूंगा कि मुझे जहां रखा गया है, उसके लिहाज से यह बॉलीवुड का सबसे अच्छा डेब्यू है। मैं इसे हिंदी सिनेमा को तलाशने के सबसे अच्छे अवसर के रूप में देखता हूं।

अभिनेता आगे कहते हैं: यह हमेशा योजना का हिस्सा था। मैं वास्तव में हिंदी सिनेमा और वास्तव में, सभी भाषाओं का पता लगाना चाहता था। इसी तरह मैं चीजों को देखता हूं और हिंदी निश्चित रूप से मेरी थाली में थी। ईमानदारी से, मैं व्यक्तिगत रूप से महसूस करता हूं। कि चीजें आपके साथ होती हैं क्योंकि आपके पास उन्हें पाने के लिए कहीं न कहीं एक विचार होता है। मेरा प्रमुख विचार हमेशा बड़े बाजारों, मलयालम, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में विभिन्न फिल्मों की खोज करना था। हिंदी हमेशा मेरे दिमाग में थी। विकिपीडिया ने उनकी शुरूआत के रूप में एक और हिंदी फिल्म का उल्लेख किया है, अभिनेता ने स्पष्ट किया कि अभिषेक शर्मा की राम सेतु उनकी पहली फिल्म है। हालांकि, वह एक और प्रोजेक्ट के बारे में कुछ सामान्य बातें बताते हैं, जो उनका हिंदी डेब्यू हो सकता था। उन्होंने कहा, मैंने अफगानिस्तान में एक फिल्म की है और यह मेरा हिंदी डेब्यू होना चाहिए था लेकिन दुर्भाग्य से फिल्म रुक गई। अब मुझे खुशी है कि यह राम सेतु बनने जा रही है। सत्यदेव ने अपनी अगली तेलुगू फिल्म थिमारुसु की शूटिंग पूरी कर ली है और इसकी रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, जबकि वह गोडसे की शूटिंग के बीच में हैं।

अभिनेता चाहते हैं कि दुनिया उनकी फिल्में देखें, जैसा कि वे कहते हैं: आप जिस भी अभिनेता से पूछें, वे उन फिल्मों का हिस्सा बनना पसंद करेंगे, जिन्हें पूरा भारत देखेगा, चाहे वह तेलुगु फिल्म हो या कोई भी फिल्म। आप चाहते हैं कि लोग आपका काम देखें। एक अभिनेता के रूप में, आप चाहते हैं कि लोग आपके द्वारा किए जा रहे काम को पहचानें। इससे आपको संतुष्टि मिलती है कि मेरी फिल्म को इतने सारे लोग देख रहे हैं। मैं अपने काम को अखिल भारतीय नहीं कहूंगा, बल्कि यह चाहूंगा कि पूरी दुनिया मेरी फिल्में देखे। हालांकि, वह भारत भर के फिल्म उद्योगों में हो रहे बदलाव से अवगत हैं। सत्यदेव कहते हैं बाहुबली और कुछ अन्य फिल्मों के लिए धन्यवाद।

तापसी पन्नू ने अनाउंस की अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म, साल 2022 में होगी रिलीज

तापसी पन्नू साउथ के बाद बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं. उन्होंने कई हिट फिल्में अपने नाम की हैं और आने वाले दिनों में भी उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं. अब इसी बीच तापसी ने एक बड़ी अनाउंसमेंट की है. तापसी ने अब प्रोड्यूसर बनने का फैसला लिया है और अब बतौर प्रोड्यूसर वह अपना कमाल दिखाने वाली हैं. तापसी ने अपना प्रोडक्शन हाउस आउटसाइडर्स फिल्म्स लॉन्च किया है. इस अनाउंसमेंट पर तापसी को सभी बधाई दे ही रहे थे कि एक्ट्रेस ने एक और अनाउंसमेंट कर दी है. उन्होंने प्रोडक्शन हाउस से पहली फिल्म का ऐलान किया है. फिल्म का नाम है ब्लर. तापसी ने फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, 'और ये आउटसाइडर्स प्रोडक्शन की पहली फिल्म ब्लर. इस फिल्म को अजय बहल डायरेक्ट करेंगे जिसमें तापसी पन्नू लीड रोल में हैं. पिछले साल मुझे इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक पूरा हो गया है. मुझे कभी नहीं पता था कि मैं यहां न केवल तैरने वाली हूं बल्कि वास्तव में अपने तरीके से तैरना सीखूंगी. जिसने कभी नहीं सोचा था कि वह पब्लिक फिगर बनेगी वो आज आप सभी को आपके प्यार और भरोसे के लिए थैंक्यू कह रही हैं. अब समय आ गया है आपको पेबैक करने का क्योंकि बड़ी ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है. तो मेरे लिए दुआ कीजिए और मैं वादा करती हूं कि आपके लिए बेस्ट लेकर आऊंगी क्योंकि आउटसाइड से जो व्यू होगा वो अच्छा होगा. अपनी जिंदगी का नया चैप्टर लिखने वाली हूं, आउटसाइडर फिल्म्स से बतौर प्रोड्यूसर. तापसी के प्रोडक्शन हाउस के नाम से लग रहा है कि वह आउटसाइडर्स को बॉलीवुड में काम दिलाने में मदद कर सकती हैं क्योंकि वह खुद भी आउटसाइडर थीं. खैर अब पहली फिल्म ब्लर के जरिए वह किस आउटसाइडर को मौका देती हैं ये तो आने वाले वक्त में पता चलेगा. अब तापसी का कहना है कि वह बतौर प्रोड्यूसर बेस्ट करने वाली हैं, लेकिन हाल ही में बतौर एक्ट्रेस वह अपनी फिल्म हसीन दिलरुबा से दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई. दरअसल, फिल्म हसीन दिलरुबा को लेकर तापसी काफी एक्साइटेड थीं. सोशल मीडिया के जरिए तापसी ने फिल्म का खूब प्रमोशन भी किया था. लेकिन फिल्म और तापसी को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिक्स रिस्पॉन्स मिला था।

नोरा फतेही करना चाहती हैं माधुरी की बायोपिक में काम

अपने डांस से लोगों के बीच मशहूर हुईं अभिनेत्री नोरा फतेही कई बार माधुरी दीक्षित की तारीफ के कसीदे पढ़ चुकी हैं और अब फिर उन्होंने धक-धक गर्ल के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिन्हें देख लग रहा है कि वह माधुरी की बायोपिक में काम करने के लिए तैयार हैं। माधुरी के चंद्रमुखी वाले लुक में नोरा बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

नोरा पहले से ही माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हैं। उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आईं, जिनमें नोरा ने माधुरी दीक्षित जैसी ड्रेस पहनी हुई है। इस दौरान वह माधुरी के सुपरहिट गाने डोला रे डोला को रिक्रिएट करती दिखीं। नोरा ने माधुरी के प्रति सम्मान व्यक्त किया और बताया कि वह माधुरी दीक्षित की बायोपिक में काम करना चाहती हैं। वह शो डांस दीवाने 3 में उनके साथ स्क्रीन शेयर कर फख्र महसूस करती हैं।

शो डांस दीवाने 3 के आने वाले वीकेंड में नोरा फतेही का एक अलग अंदाज देखने को मिलने वाला है। इस एपिसोड में नोरा, माधुरी के मशहूर डोला रे डोला वाले लुक में नजर आएंगी। दरअसल, डांस दीवाने 3 में बॉलीवुड के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर नोरा, माधुरी दीक्षित की तरह तैयार हुई हैं। वह डोला रे डोला पर परफॉर्म करते हुए माधुरी को एक शानदार ट्रिब्यूट देने वाली हैं। अपने यूट्यूब ब्लॉग में नोरा ने कहा था, माधुरी मेरी आदर्श हैं। मैं उनके साथ को-जज की भूमिका निभा रही हूं, मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात और क्या हो सकती है मैंने कई बार उनके प्रति अपने प्यार का इजहार किया है। उन्होंने कहा, मैं उनकी क्रेजी फैन हूं। अगर मौका मिला तो मैं माधुरी की बायोपिक में काम करूंगी। मैं सिर्फ एक सपना देख रही हूं, जिसके साकार होने की शायद कोई उम्मीद नहीं है। नोरा जल्द ही फिल्म भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया में नजर आएंगी। टी-सीरीज के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक दुधैया ने किया है। यह फिल्म 13 अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। नोरा फिल्म सत्यमेव जयते 2 में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।

सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान का बनेगा सीक्वल

सलमान खान ने बॉलीवुड को कई शानदार फिल्में दी हैं। ऐसी ही एक फिल्म है बजरंगी भाईजान जिसमें सलमान ने अपने अंदाज से सभी को प्रभावित किया था। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 2015 में रिलीज हुई थी, जो पर्दे पर सुपरहिट साबित हुई थी। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म का सीक्वल बन सकता है। बजरंगी भाईजान के लेखक केवी विजेंद्र ने बताया है कि वह फिल्म के सीक्वल प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बजरंगी भाईजान का सीक्वल बन सकता है। ऑरिजनल फिल्म के लेखक विजेंद्र सीक्वल प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। विजेंद्र ने बताया, मैं बजरंगी

भाईजान 2 की कहानी लिखने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने कुछ समय पहले सलमान से भी अपना विचार साझा किया था। उन्हें मेरी इस फिल्म का आइडिया पसंद आया है। मैं सही तरीके से इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाना चाहता हूं। उम्मीद है कि चीजें सही तरीके से चलेंगी। उन्होंने बताया कि सलमान बजरंगी भाईजान 2 को लेकर काफी उत्साहित हैं। विजेंद्र ने कहा, जब मैं उनसे संयोगवश मिला तो मैंने उन्हें बजरंगी भाईजान के सीक्वल के बारे में बताया। वह मेरे इस विचार से उत्साहित हैं और उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा आइडिया है। सलमान की यह फिल्म छह साल पहले रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का शानदार बिजनेस किया था। विजेंद्र एसएस राजामौली के पिता हैं, जिन्होंने बाहुबली जैसी एतिहासिक फिल्म की कहानी लिखी थी।

रिलीज होते ही ऑनलाइन लीक हुई प्रियदर्शन की फिल्म हंगामा 2

कानूनी कार्रवाई होने के बावजूद फिल्मों की पायरेसी थमने का नाम नहीं ले रही है। प्रियदर्शन की फिल्म हंगामा 2 भी पायरेसी का शिकार हो गई है। फिल्म रिलीज होते ही टेलीग्राम और तमिलरॉकर्स जैसी कई पायरेटेड साइटों पर लीक हो गई। इससे बेशक फिल्म के निर्माताओं को झटका लगा होगा क्योंकि एक तो फिल्म को रिव्यू कुछ खास नहीं मिले हैं, ऊपर से अब यह लीक हो गई है।सूत्रों के मुताबिक डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होते ही फिल्म हंगामा 2 पायरेसी की चपेट में आ गई है, जिसके चलते अब लोग इसे फ्री में देखने के लिए अवैध तरीके से डाउनलोड कर रहे हैं। हंगामा 2 की एचडी क्वालिटी के लिए लोग सर्च इंजन पर अलग-अलग कीवर्ड डालकर इस फिल्म को सर्च कर रहे हैं। सर्च इंजन प्लेटफॉर्म हंगामा 2 मूवी डाउनलोड, हंगामा 2 मूवी डाउनलोड तमिलरॉकर्स जैसे कई कीवर्ड से भरे हुए हैं। हंगामा 2, 2003 में रिलीज हुई फिल्म हंगामा का सीक्वल है। इसमें शिल्पा शेट्टी, परेश रावल, मीजान जाफरी और प्रणिता सुभाष ने अहम भूमिका निभाई है, वहीं, अक्षय खन्ना मेहमान भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में आशुतोष राणा, मनोज जोशी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और टिकू तल्सानिया ने भी कॉमेडी का तड़का लगाया है, लेकिन उनके किरदार न के बराबर हैं। फिल्म को लेकर जितना हो-हल्ला मचा हुआ था, रिलीज के बाद माहौल उतना ही ठंडा हो गया है। हंगामा 2 से पहले तापसी पन्नू की फिल्म हसीन दिलरूबा रिलीज होते ही लीक हो गई थी। निर्माता-निर्देशक से लेकर फिल्म में काम करने वाले सितारे तक इसकी रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित थे कि इतने में ही फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई हसीन दिलरूबा तमिल रॉकर्स, टेलीग्राम और मूवी रूल्ज जैसी पायरेसी साइटों का निशाना बनी।

खुशी कपूर ने करवाया फॉर्मल सूट में बोल्ड फोटोशूट

श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें और फैमिली के साथ मस्ती करते हुए वीडियो शेयर करती रहती हैं. उनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है. खुशी जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. फैंस को उनका लुक काफी पसंद आता है. आज खुशी ने फॉर्मल लुक में फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जो फैंस को बहुत पसंद आ रही है.खुशी को लाखों लोग सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं. अभी तक उन्होंने बॉलीवुड में कदम नहीं रखा है और उनके फैन पेज बन गए हैं जो उनकी फोटोज शेयर करते रहते हैं. खुशी का इंस्टाग्राम अकाउंट पहले प्राइवेट था उन्होंने कुछ समय पहले ही इसे पब्लिक किया है. तब से उनकी फैन फॉलोइंग और बढ़ गई है.खुशी ने आज फॉर्मल सूट में बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है. फोटोज में खुशी अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं. उनका लाइट मेकअप और खुले बाल उनके लुक को कॉम्प्लिमेंट कर रहे हैं. खुशी ने फोटो शेयर करते हुए लिखा- पावर सूट.खुशी की इन फोटोज से सेलेब्स कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं. नव्या नवेली ने हार्ट इमोजी पोस्ट की थी तो शनाया कपूर भी कमेंट करना नहीं भूलीं. इन तस्वीरों को लगभग 50 हजार लोग लाइक कर चुके हैं.खुशी कपूर इन समय न्यूयॉर्क में अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी कर रही हैं. उनके पिता बोनी कपूर ने कहा है कि जब वह अपनी पढ़ाई पूरी कर लेंगी उसके बाद ही बॉलीवुड में कदम रखेंगी। साथ ही बोनी कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा है कि वह अपनी बेटी को लॉन्च नहीं करेंगे. वह चाहते हैं कि खुशी को कोई और फिल्ममेकर लॉन्च करे क्योंकि अगर वह उसे लॉन्च करेंगे तो उसकी गलतियों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे. आपको बता दें बोनी कपूर ने अपनी बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर को भी लॉन्च नहीं किया था।

मुंहासों को 1 ही दिन में जड़ से खत्म करता है लहसुन, जानिए कैसे

आजकल गलत खानपान और ब्यूटी प्रोडक्ट के इस्तेमाल के कारण चेहरे पर मुंहासे होना एक आम समस्या है। कई महिलाएं इस वजह से परेशान रहती हैं। ज्यादातर यह समस्या ऑयली स्किन वाली महिलाओं में ही देखी जाती है। मुंहासों की वजह से चेहरे की खूबसूरती खराब हो जाती है और कई बार तो स्किन पर दाग-धब्बे भी रह जाते हैं। इसके लिए लहसुन का इस्तेमाल करके मुंहासों की समस्या को जड़ से खत्म किया जा सकता है। तो आइए जानिए लहसुन का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है।

लहसुन का पेस्ट - लहसुन की 2 कलियों को पीसकर उनका पेस्ट बना लें और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। अब इस पेस्ट को मुंहासों पर लगाएं और 10 मिनट के बाद चेहरे को धो लें। इससे मुंहासे साफ हो जाएंगे।

लहसुन का रस - लहसुन की कुछ कलियों को पीसकर उसका रस निकाल लें और रूई की मदद से इसे मुंहासों पर लगाएं। 10-15 मिनट के बाद चेहरे को धो लें।

लहसुन और हल्दी - लहसुन की 2-3 कलियों को पीसकर उसमें चुटकी भर हल्दी मिला लें और पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को मुंहासों पर लगाएं और कुछ देर बाद चेहरे को धो लें।

लहसुन और सेब का सिरका - लहसुन की 2 कलियों को पीसकर उसका रस निकाल लें। अब इसमें 1 चम्मच सिरका और 1 चम्मच पानी मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें। इस मिश्रण को मुंहासों पर लगाकर कुछ देर के बाद धो लें।

पॉप कॉर्न खाने वालों को कभी नहीं होंगी ये 4 बीमारियां, शरीर में होंगे ये 4 बड़े बदलाव

अक्सर हम सभी लोग मूवी देखते समय या सफ़र करते समय पॉपकॉर्न खाना पसंद करते हैं, यह आसानी से हर जगह मिल जाती है, और खाने में बेहद स्वादिष्ट होते हैं, लेकिन स्वादिष्ट होने के साथ साथ पॉपकॉर्न सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं, पॉपकॉर्न खाने से शरीर में आने लगते हैं 4 बड़े बदलाव

कोलेस्ट्रॉल कम करता है: आजकल बहुत से लोग हाई और लो कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान रहते हैं, ऐसे में पॉपकॉर्न कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करता है और खून की धमनियों को चौड़ा करता है, जिससे हार्ट अटैक की सम्भावना काफी कम हो जाती है।

2- पाचन रखता है ठीक: पॉपकॉर्न में हाई फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूती प्रदान करता है, हफ्ते में 3 से 4 बार पॉपकॉर्न का सेवन करने से आटे के चोकर जितने पोषक तत्व प्राप्त होते हैं और पाचन ठीक हो जाता जाता है।

बुढ़ापा रखे दूर: पॉपकॉर्न में एंटीएजिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो चेहरे पर झाइयाँ, झुर्रियां और डार्क सर्कल्स पड़ने से रोकती हैं, इससे आप लंबे समय तक जवान दिखते हैं।

4- वजन घटाने में कारगर: इसमें कैलोरी की मात्रा आलू के मुकाबले बहुत कम होती है, इसलिए भूख लगने पर अप पॉपकॉर्न का सेवन कर सकते हैं, इससे भूख मिटेगी पर आपका वजन नही बढ़ेगा।

गृह मंत्री मिश्रा ने तानी राइफल, खेल मंत्री राजे ने किया कमेंट- निशाना अचूक

भोपाल। मध्य प्रदेश के सियासी माहौल में मंगलवार को एक दिलचस्प तस्वीर देखने मिली. प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के हाथ में राइफल थी और वह निशाना साध रहे थे. गृह मंत्री की इस तस्वीर पर मध्य प्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कमेंट किया -निशाना अचूक है ! यह तस्वीर सामने आने और खेल मंत्री के इतना लिखने भर से ही मध्य प्रदेश के सियासी गलियारों में कई तरह की चर्चाएं गर्म हो गईं. तस्वीर और कमेंट के अलग-अलग मायने निकाले जाने लगे। यह तस्वीर भोपाल में शूटिंग चैंपियनशिप के दौरान की थी. जिसका मुआयना करने गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पहुंचे हुए थे. उस वक्त वहां खेल मंत्री यशोधरा राजे भी मौजूद थीं. लिहाजा तस्वीर को देखकर खेल मंत्री ने यह बात सोशल मीडिया में लिखी थी।

शिवराज ने नरोत्तम पर किया कमेंट

इंदौर में बीजेपी की हाई लेवल मीटिंग के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान का एक बयान खूब चर्चा में है. सीएम ने कहा- जहां नरोत्तम मिश्रा होते हैं मैं वहीं नहीं बोलता. सीएम ने ये बात मजाकिया लहजे में कही थी लेकिन इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। यहां पार्टी के प्रदेश नेताओं की अचानक बैठक हुई। बैठक गोपनीय और मीटिंग का एजेंडा भी गोपनीय था. मीटिंग के बाद जब नेता बाहर निकले तो मीडिया ने उन्हें घेर लिया. जब उनसे बैठक के बारे में जानना चाहा तो सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा जहां नरोत्तम मिश्रा होते हैं, मैं वहां नहीं बोलता हूं, वो हमारे प्रवक्ता हैं. हालांकि सीएम शिवराज ने ये सब मजाकिया अंदाज़ में कहा था, लेकिन उनके बोलने की देर थी कि बयान वायरल हो गया ।

कांग्रेस ने तंज कसा

सीएम शिवराज सिंह चौहान का ये बयान वायरल होने के बाद कांग्रेस ने तंज कसा. कांग्रेस नेता नरेंद्र सिंह सलूजा ने ट्वीट किया इसमें उन्होंने लिखा शिवराज जी कह रहे हैं कि जब नरोत्तम मिश्रा होते हैं तो मैं कुछ नहीं बोलता. वो प्रवक्ता हैं हमारे. बस मैं उन्हें रोकने के लिये भूपेन्द्र सिंह, विश्वास सारंग, रामेश्वर शर्मा को आगे कर देता हूं. सलूजा के इस ट्वीट को लोग खूब रीट्वीट कर रहे हैं. सवाल ये भी उठ रहा है कि कहीं ये सीएम शिवराज सिंह चौहान की पीड़ा तो नही।

बिना लक्षणों वाले कोरोना संक्रमित भी अस्पतालों में होंगे आइसोलेट

काटजू अस्पताल को बनाया क्वारेंटाइन सेंटर

भोपाल। भोपाल जिले में ऐसे कोरोना संक्रमितों को भी अस्पतालों में ही आइसोलेट रखा जाएगा, जिनमें इस बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। ऐसे रोगियों को होम आइसोलेशन में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। जिले में कोरोना संक्रमण के 10 से अधिक केस आने पर सुरक्षा की दृष्टि से यह कदम उठाया जा रहा है। संक्रमण को प्राथमिक स्तर पर रोकने के लिए ऐसे सभी लोगों की कांटेक्ट हिस्ट्री भी निकाली जा रही है। काटजू अस्पताल को क्वारंटाइन सेंटर के रूप में तैयार किया गया है। यहां सात कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती कराया गया है।

अपर कलेक्टर संदीप केरकट्टा ने बताया कि भोपाल जिले में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि दूसरे राज्यों से आने वाले व्यक्तियों की बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर ही सैंपलिंग की जाएगी और टेस्ट पाजिटिव आने पर सीधे अस्पताल भेजा जाएगा। हालांकि पाजिटिव रिपोर्ट आने तक संबंधित व्यक्ति घर पर ही होम आइसोलेशन में रहेगा। इसके लिए सैंपलिंग की संख्या भी ब?ाई जा रही है। इसके साथ संक्रमित पाए गए लोगों की ट्रैवल हिस्ट्री और उनके संपर्क वाले लोगों का भी कोरोना टेस्ट किया जाएगा और जिन व्यक्तियों का सैंपल लिया गया है। उन सब को भी आइसोलेशन में रखने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके साथ फोन कालिंग व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है, जिसके अंतर्गत ऐसे लोगों को चिन्हित कर फोन पर सूचित किया जाएगा।

भोपाल में बिना मास्क दिखे तो देना होगा 500 रुपए जुर्माना

भोपाल. मध्य प्रदेश में भोपाल कोरोना का हॉट स्पॉट बनते दिखाई दे रहा है. इस वजह है यहां प्रशासन सख्त नियम लागू करेगा. राजधानी भोपाल में अब बिना मास्क घूमने पर 500 रुपये जुर्माना देना होगा. अभी तक ये 100 रुपये लिया जा रहा था. उन व्यावसायिक संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी, जहां के कर्मचारियों को वैक्सीन के दोनों डोज नहीं लगे होंगे. कोरोना संक्रमित मिलने पर लोगों को होम आइसोलेशन की जगह काटजू अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।

एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित होगी

भोपाल। वायुयानों के सुरक्षित और बाधारहित आवागमन के लिए एयरफील्ड पर यथा संभव कार्यवाही तुरतं प्रारंभ की जाएगी। कमिश्नर गुलशन बामरा ने यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत एयरपोर्ट से शहर में आवागमन को भी सुचारू बनाए रखने के लिए एयरपोर्ट आवागमन के मार्गों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को संभागायुक्त गुलशन बामरा की उपस्थिति में एयरफील्ड एनवायरमेंट मैनेजमेंट समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस विभाग, वन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तथा कई

किसान भाई 31 दिसम्बर के पूर्व रबी फसलों का बीमा कराएंः पटेल

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने किसानों से रबी की फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 31 दिसम्बर के पूर्व बीमा कराने की अपील की है। उन्होंने मंगलवार को भोपाल से रबी की फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमा कराने के लिये प्रचार-रथों को हरी-झण्डी दिखाकर रवाना किया। पूर्व कृषि मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया ने भी श्री पटेल के साथ हरी-झण्डी दिखाई। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत वर्ष 2020-21 की रबी फसलों का अधिक से अधिक बीमा कराने के लिये 52 प्रचार-रथों से किसानों को जागरूक किया जायेगा। प्रचार-रथ 30 दिसम्बर तक प्रदेश के अधिकतम गाँवों तक पहुँचकर किसानों को जागरूक करेंगे। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि 100 प्रचार-रथों द्वारा जागरूकता संबंधी प्रचार-प्रसार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा 40 जिलों में, एचडीएफसी द्वारा 10 जिलों में और रिलायंस कम्पनी द्वारा 2 जिलों में प्रचार-प्रसार किया जायेगा। प्रत्येक रथ एक दिन में 4 से 5 गाँव में जाकर किसानों को जागरूक करेगा।

आवेदनों की जांच बड़ी चुनौती, वारिसों को मिलेगी 50 हजार की अनुग्रह राशि

सरकारी रिकॉर्ड में कोरोना से मौत 1393 मुआवजे के लिए आईं 10 हजार अर्जियां

इंदौर । कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या को लेकर एक बार फिर विरोधाभास सामने आया है। यह विरोधाभास सरकारी तौर पर दर्ज मौतों और धरातल पर सामने आ रहे प्रकरणों के बीच है। शासकीय तौर पर इंदौर जिले में कोरोना से 1393 मौतें दर्ज हैं, लेकिन कोरोना से मृत लोगों के वारिसों और आश्रितों की ओर से 10 हजार से अधिक अर्जियां प्रशासन के पास आई हैं। इसमें सरकार की ओर से अलग-अलग योजनाओं में दी जाने वाली राहत और अनुग्रह राशि को लेकर मांग की गई है।

ये अर्जियां प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, मुख्यमंत्री कोविड योद्धा योजना के साथ ही 50 हजार रुपये की उस अनुग्रह राशि के लिए है जो हाल ही में भारत सरकार की ओर से घोषित की गई है। योजना के तहत कोरोना संक्रमण से मृत व्यक्ति के वारिसों को अनुग्रह राशि देने का प्रविधान किया है। राज्य शासन के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव और राहत आयुक्त मनीष रस्तोगी ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को आदेश भी जारी किए हैं। इसी आदेश के तहत इंदौर जिले में कोरोना से मृत 200 से अधिक लोगों के वारिसों को अनुग्रह राशि जारी की जा चुकी है। कलेक्टर कार्यालय में हर दिन सैकड़ों आवेदन आ रहे हैं। दो दिन में तो रिकार्ड तीन हजार से अधिक आवेदन आए हैं। इन आवेदनों की हकीकत जांच के बाद ही पता चलेगी कि इनमें से कितने सही और कितने गलत हैं? प्रशासन के लिए आवेदनों की जांच करना और पात्र लोगों को अनुग्रह राशि प्रदान करना बड़ी चुनौती होगी।

योजना के लिए प्रावधानः कोरोना से मौत का प्रमाण-पत्र, पहला वारिस पति या पत्नी

- रोगी की कोविड पाजिटिव रिपोर्ट हो और अस्पताल में उसका इलाज हुआ हो। साथ ही रिपोर्ट आने के बाद और भर्ती के दौरान 30 दिन बाद भी रोगी की मौत होती है तो वह योजना के लिए पात्र है।
- यदि किसी व्यक्ति को कोरोना संक्रमण का संदेह हो और उसकी मौत अस्पताल या निवास पर हुई हो तो ऐसे मामलों में दो पंजीकृत डाक्टरों द्वारा कोविड-19 से मृत्यु होने का प्रमाण-पत्र दिया गया हो।
- जिन प्रकरणों में इन सब नियमों की पूर्ति नहीं हो पा रही हो और वारिस मृत्यु के कारणों से संतुष्ट नहीं हैं तो ऐसे मामलों में कोरोना वायरस से मृत्यु प्रमाणित करने के लिए जिला स्तरीय समिति निर्णय लेगी। इस समिति में कलेक्टर, सीएमएचओ, मेडिकल कालेज के प्राचार्य या डीन और विषय विशेषज्ञ शामिल हैं।
- मृतक की पति या पत्नी वारिस के रूप में पहले हकदार होंगे। पहले वारिस के मौजूद न होने पर अविवाहित विधिक संतान को अनुग्रह राशि प्राप्त करने की पात्रता होगी। अन्य वारिस के लिए परिवार के बाकी सदस्यों की सहमति अनिवार्य है।

अफसरों को अंदेशा, एक ही परिवार से दो आवेदन भी हो सकते हैं

इतने आवेदनों की बाढ़ को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को अंदेशा है कि कोरोना से मृत कुछ लोगों के परिवार से दो आवेदन भी सहायता के लिए आए होंगे। इनमें ऐसे प्रकरण भी हो सकते हैं कि पिता की मौत पर वारिस के रूप में दो या तीन बेटों ने अनुग्रह राशि के लिए आवेदन दिया हो। इसके अलावा अन्य रिश्तेदारों की ओर से भी अनुग्रह राशि के लिए दावा किया गया होगा। इसलिए हर आवेदन की जांच-पड़ताल के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि वास्तविक हकदार कितने हैं।

प्रदेश में आज से शुरू होगी राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता

भोपाल।भारत सरकार द्वारा ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने और ऊर्जा संरक्षण के प्रति बच्चों में जागरूकता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान के तहत मध्यप्रदेश में भी एनएचडीसी लिमिटेड द्वारा आज से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के नोडल अधिकारी अजीत कुमार जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि चित्रकला हेतु 30 नवंबर तक लगभग 2300 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में बच्चों उत्साह के साथ बढ़चढ़कर भाग ले रहे है। इसके साथ ही प्रतियोगिता में कोरोना को दृष्टिगत रखते हुए बच्चों का पूरा ख्याल रखा जायेगा। प्रतियोगिता स्थल पर सोशल डिस्टेंस के साथ ही मास्क और सैनिटाइजर की व्यवस्था की गई है। चित्रकला प्रतियोगिता 01 दिसंबर को राजधानी भोपाल के डीएमएस क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, बाल भवन स्कूल केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 अरेरा हिल्स भोपाल, केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 शिवजी नगर भोपाल और 02 दिसंबर को मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल टीटी नगर , शासकीय कमला नेहरू कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल टीटी नगर, दिल्ली पब्लिक स्कूल नीलब?, सागर पब्लिक स्कूल रोहित नगर भोपाल एवं 03 दिसंबर को इंदौर स्थित सीका सीनियर सेकेंडरी स्कूल नंबर 2 स्कीम नंबर 54,सीका सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्कीम नंबर 78, सेंट एमरॉल्ड हायर सेकेंडरी स्कूल विजय नगर , प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय नंबर 2 शिवाय नगर में ऑफ लाइन कराई जा रही है। राजभवन में 10 दिसंबर को राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा दो श्रेणियों के लिए अलग-अलग प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपये एवं 10 सांत्वना पुरस्कार 7,500 रुपये विजेताओं को प्रदान किया जायेगा ।

भोपाल हवाई अड्डे पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित

भोपाल। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और ईवी कॉसमॉस ने के सहयोग से भोपाल हवाई अड्डे पर एसी लेवल 2 फास्ट चार्जर के साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण पर पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया गया है । मंगलवार को संभागायुक्त गुलशन बामरा ने इस चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया । इस दौरान निदेशक, हवाई अड्डा भोपाल के एल अग्रवाल, ईवी कॉसमॉस के संचालक अमिताभ शिवपुरी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे ।

निदेशक हवाई अड्डा भोपाल श्री अग्रवाल ने बताया कि यह चार्जर बिल्ट-इन सॉफ्टवेयर हर समय निगरानी, सहायता और कैशलेस लेनदेन के लिए ईवी कॉसमॉस सर्वर से जुड़ा है।इस चार्जर को सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों को चार्ज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ईवी कॉसमॉस के संचालक अमिताभ शिवपुरी द्वारा बताया गया कि ईवी कॉसमॉस मध्य प्रदेश की पहली इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सॉल्यूशन प्रदाता कंपनी है, जो स्मार्ट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सॉल्यूशंस, अत्याधुनिक तकनीक और सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक व्हीकल्स चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस के साथ मोबिलिटी के स्वच्छ भविष्य की दिशा में काम कर रही है।ईवी कॉसमॉस स्वच्छ भविष्य की दिशा में एक कदम के साथ सभी प्रकार के ईवी चार्जरों के लिए चार्जिंग पॉइंट हार्डवेयर और क्लाउड-आधारित सॉफ़्टवेयर, इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग और रखरखाव सहित ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए एंड टू एंड समाधान और भोपाल हवाई अड्डे को स्वच्छ पर्यावरण के एक प्रमुख उदाहरण के रूप में स्थापित करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक्सीडेंट में घायलों की मदद करने पर मिलेगा इनाम

ऐसा करने वाला देश का पहला शहर बना जबलपुर

जबलपुर। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की तुरंत मदद और उन्हें इलाज मुहैया कराने के लिए जबलपुर में प्रशासन ने नयी तरकीब ढूंढ ली है. अब ऐसे लोगों को इनाम दिया जाएगा जो दुर्घटना पीड़ित लोगों की मदद करेगा. इसके लिए Good Samaritan योजना शुरू की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में मौत की एक बड़ी वजह घायल लोगों को तुरंत मदद न मिल पाना है. पुलिस और कोर्ट के चक्कर से बचने के लिए लोग सड़क पर पड़े घायलों को देखकर भी उनकी मदद नहीं करते. लेकिन उम्मीद है जबलपुर में अब ऐसा नहीं होगा।

जबलपुर में प्रशासन अब उन लोगों को इनाम देगा जो दुर्घटनाग्रस्त लोगों की तत्काल मदद करेगा. उन्हें अस्पताल पहुंचाएगा. इसके लिए नेक दिल इंसान योजना शुरू की जा रही है. मदद करने वाले इंसान को इस योजना में पांच हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

5 हजार इनाम और प्रशस्ति पत्र

जबलपुर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बताया स?क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन अवर में अस्पताल पहुंचाकर जिंदगी बचाने वालों को अब इनाम दिया जाएगा. ऐसे मददगार लोगों को प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे. गुड स्मारिटन योजना के तहत डिस्ट्रिक्ट अप्रेजल कमेटी बनायी गयी है. यही कमेटी इनाम तय करेगी. कलेक्टर इस कमेटी के अध्यक्ष होंगे और इसमें पुलिस अधीक्षक, सीएमएचओ और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सदस्य होंगे।

योजनाओं का लाभ पहुंचाने सामान्य निर्धन वर्ग से लिए जाएंगे सुझाव

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सामाजिक समरसता हमारा मूलमंत्र है और सभी वर्गों को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए प्रदेश के हर संभाग में राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के दौरे होंगे और सामान्य निर्धन वर्ग से सुझाव लेकर उन्हें लाभान्वित करने की कार्य-योजना बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में म.प्र राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आयोग के भ्रमण से लोगों की भागीदारी ब?गी और उनके विचार शासन तक पहुँच सकेंगे। उन्होंने कहा कि हर संभाग में गोष्ठी, संवाद, विचार-विमर्श एवं चिंतन का दौर आयोग द्वारा जारी रखा जाए।

- आयोग द्वारा चिन्हांकित कार्य-क्षेत्र और योजनाएँ: शासन की समस्त कल्याणकारी योजनाओं का संकलन एवं उन योजनाओं में सामान्य वर्ग के हितग्राहियों का चिन्हांकन।

आपदा की स्थिति में शासन द्वारा सामान्य वर्ग के व्यक्तियों को तात्कालिक सहायता उपलब्ध कराना। कृषि, खेलकूद, सांस्कृतिक, भजन मण्डली आदि गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में सामान्य वर्ग के वृद्धजन की सहभागिता एवं प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना। सामान्य वर्ग आयोग द्वारा चिन्हांकित योजनाओं की कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा नियमित समीक्षा। सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग की सहायता दी जाना। शासन के समस्त विभागों में जन-कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ सभी वर्गों को मिल रहा है। इसके बावजूद भी प्रदेश भर में सामान्य वर्ग के लोगों को समुचित लाभ मिल सके और लंबित प्रकरणों का निराकरण हो सके, इसके लिए आयोग की सार्थक पहल और प्रयास होंगे।

वर्ग-3 शिक्षक परीक्षा के आवेदन के लिए इस तारीख से फिर खुलेगी विंडो

भोपाल। प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड (पीईबी) ने स्कूल शिक्षा विभाग के प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग- 3 में फॉर्म भरने का एक और मौका दिया है. फॉर्म भरने के लिए एप्लीकेशन विंडो 14 दिसंबर से खुलेगी. इसके लिए फॉर्म 28 दिसंबर तक भरे जा सकेंगे. इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी पीईबी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थी एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट के माध्यम से 2 जनवरी 2022 तक फॉर्म में संशोधन कर सकते हैं. खास बात यह है कि जनवरी-फरवरी 2020 में इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने वालों को इसके लिए दुबारा से फॉर्म नहीं भरना होगा जबकि नए अभ्यर्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं. परीक्षा का आयोजन मार्च 2022 में प्रस्तावित है. वर्ग- 3 परीक्षा संबंधी अन्य जानकारी और परीक्षा की तारीख 2 दिसंबर 2021 को जारी की जाएगी.

जरूरी योग्यताः वर्ग 3 शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास 12 वीं + बीएलएड या स्नातक डिग्री + डीएलएड / डीएड / एमएड अथवा इसके समकक्ष डिग्र आवश्यक है।

वालमार्ट और फ्लिपकार्ट के बीच एमओयू

एमएसएमई सेक्टर को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश को आत्म-निर्भर बनाने की सुनियोजित नीति के तहत मंगलवार को एमएसएमई विभाग ने मध्यप्रदेश के 14 लाख से अधिक नवउद्यमियों के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता का बनाने और प्रतिस्पर्धा तथा मार्केटिंग चेन बनाने के लिए वालमार्ट एवं फ्लिपकार्ट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा की उपस्थिति में विभाग के सचिव पी नरहरि और वालमार्ट के डायरेक्टर जोसफ जूलियन के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर तथा आदान-प्रदान हुआ। फ्लिपकार्ट के रीजनल हेड डी पी वानकानी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कुशाभाऊ ठाकरे हाल (मिंटो हाल) में सम्पन्न हुए समारोह में मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि चाहे कलस्टर आधारित उद्यम हों, एक जिला-एक उत्पाद हों अथवा नव उद्यमियों के स्वयं के उत्पाद, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मार्केटिंग के साथ प्रतिस्पर्धात्मक लागत और मूल्य एवं तकनीकी के इस्तेमाल से नव उद्यमियों को इस एमओयू से संबल मिलेगा। यह एमओयू रिटेल और होलसेल मार्केटिंग के साथ ही उत्पाद की पैकिंग, प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता और लागत को उपभोक्ता के हिसाब से सुनिश्चित करने के लिए नवउद्यमियों को प्रशिक्षित भी करेगा। मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि आज प्रदेश के तकरीबन 14 लाख उद्यमी एमएसएमई सेक्टर में पंजीबद्ध हैं । उन्होंने कहा कि उत्पादों की ग्रेडिंग और मार्केटिंग के लिए ख्यातिलब्ध ई-कॉमर्स संस्थाओं के नेटवर्किंग का हिस्सा बने बिना प्रदेश के उद्यमियों के लिए अपने उत्पाद की पहचान बना पाना असंभव सा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले देश की सीएसआईआर की 36 लैब से एमओयू के पीछे भी यह धारणा थी कि एमएसएमई सेक्टर को प्रौद्योगिकी और लगातार परिवर्तित हो रही तकनीकी से सतत मदद मिलती रहे। मंत्री श्री सखलेचा ने उम्मीद जताई कि वालमार्ट और फ्लिपकार्ट अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश को विशेष दर्जा देकर यहां के उत्पादों का प्रचार अंतिम उपभोक्ता तक करेंगे। उन्होंने कहा कि आज की यह छोटी शुरूआत धीरे - धीरे रंग लाएगी और प्रदेश के उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक धूम मचाएंगे।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में निकलीं 1255 भर्तियां

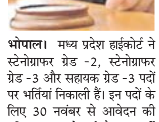

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्टेनोग्राफर ग्रेड -2, स्टेनोग्राफर ग्रेड -3 और सहायक ग्रेड -3 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। इन पदों के लिए 30 नवंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट mphc.gov.in के जरिए इन पदों के लिए 30 दिसंबर 2021 तक आवेदन कर सकते हैं। कुल 1255 रिक्त पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

शैक्षणिक योग्यताः

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए. अधिक शैक्षणिक योग्यता संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी जारी आधिकारिक नोटिफिकेशन को देख सकते हैं।

आयु सीमा

इन पदों पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए. अभ्यर्थियों के आयु की गणना 1 जनवरी 2021 से की जाएगी. वहीं एससी व एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी गई है।

चयन प्रक्रियाः

अभ्यर्थियों का चयन प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा के जरिए किया जाएगा. प्रारंभिक परीक्षा सीबीटी मोड में 100 नंबरों की होगी. इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए योग्य होंगे. प्रारंभिक परीक्षा का एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि से 15 दिन पहले जारी किया जाएगा।

इन पदों के लिए निकली हैं भर्तियां

- स्टेनोग्राफर ग्रेड 2-108 पद
- स्टेनोग्राफर ग्रेड 3-205 पद
- स्टेनोग्राफर ग्रेड 3 (कोर्ट मैनेजर स्टाफ) -11 पद
- असिस्टेंट ग्रेड 3 -910 पद
- असिस्टेंट ग्रेड 3 (अंग्रेजी) -21 पद

टीकाकरण और स्वच्छता के कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों की बैठक में दिए सख्त निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 का टीकाकरण अभियान और स्वच्छता अभियान वर्तमान समय का सबसे प्राथमिकता वाला कार्य है। उक्त कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई करने के साथ-साथ उनके गोपनीय चरित्रावली में भी विपरीत टिप्पणी अंकित की जायेगी।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बुधवार की शाम कलेक्ट्रेट कार्यालय में दोनों ही कामों के लिये नियुक्त किए गए नोडल अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, एडीएम श्री इच्छित गड़पाले, अपर आयुक्त नगर निगम श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर सहित सभी नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन सुबह 4-5 घंटे अपने निर्धारित क्षेत्र में घूमें और लोगो को टीकाकरण के लिये प्रेरित करें। इसके साथ ही डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन को भी देखें। सभी लोग अपने घरों से सूखा एवं गीला कचरा निगम की गाड़ी में ही डालें, यह सुनिश्चित करें। कोई भी व्यक्ति अगर कचरा सड़क पर डालता है तो उसके खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई कराई जाए।

प्रभारी अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि यदि कहीं पर भी सड़क पर कचरा मिलता है तो वह नगर निगम के अधिकारियों को सूचित करें और उसे तत्काल उठवाने की व्यवस्था की जाए। नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य भी किया जाए। नोडल अधिकारी प्रतिदिन अपने-अपने निर्धारित क्षेत्र में टीकाकरण और स्वच्छता के कार्य के संबंध में नागरिकों से चर्चा करें और दोनों अभियान के बेहतर परिणाम आएँ, इसके प्रयास करें। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी निर्देशित किया है कि टीकाकरण के लिये जो लोग शेष रहे हैं, उन्हें जागरूक करने हेतु हर मोहल्ले और गली में जागरूकता रैली निकाली जाए। यह रैली ढोल-ताशों के साथ लोगो को जागरूक करने का कार्य करे। टीकाकरण के लिये हर घर पर दस्तक अवश्य कराई जाए। आगामी एक सप्ताह में शतप्रतिशत टीकाकरण पूर्ण हो, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

कचरा फेंका तो घर के बाहर दिन भर होगी रामधुन

कलेक्टर ने कहा ठान लें स्वच्छता में ग्वालियर को केवल और केवल अव्वल बनायेंगे

ग्वालियर। कचरा गाड़ी के बजाय बाहर कचरा फेंका तो स्वच्छता के प्रति सदबुद्धि लाने के लिये उसके घर के सामने भजन मंडली ढोल-मजीरों के साथ दिन भर रामधुन का गायन करेगी। इसी तरह कचरा फैलाने वालों को स्कूली बच्चों की वानर सेना हतोत्साहित करेगी और स्वच्छता के प्रति समर्पित लोगों की टीम हर गली-मोहल्ले में स्वच्छता की अलख जगायेगी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छता की रणनीति बनाने को लेकर आयोजित हुई नगर निगम के अधिकारियों की बैठक में इन नवाचारों पर सहमति बनी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में प्रेरणादायी उदबोधन दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सभी अधिकारी-कर्मचारी यह ठान लें कि हम शहरवासियों के सहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में ग्वालियर को केवल और केवल नम्बर वन शहर बनाकर ही दम लेंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ग्वालियर शहर को स्वच्छता में अव्वल शहर बनाने के लिये पाँच बिंदुओं पर पुख्ता रणनीति के साथ काम करने पर बल दिया। इनमें डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और उसका प्रसंस्करण, शहर के किसी भी गली-मोहल्ले में कहीं पर भी कचरा न दिखे। पूरे शहर में दिन में दो बार झाडू और नालियों की नियमित सफाई, हर वार्ड व मोहल्ले में समर्पित स्वच्छता टीम तथा हर वार्ड में मजबूत सूचना तंत्र हो जिससे यह पता चल सके कि कहां पर कचरा जमा है और किसने कचरा फेंका है। बैठक में कलेक्टर ने आईईसी अर्थात प्रभावी जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि विधिवत साक्षात्कार लेकर हर वार्ड में समर्पित लोगों की टीम तैयार करें। प्रयास ऐसे हों, जिससे पूरे शहर की स्वच्छता में भागीदारी हो। उन्होंने कहा स्वच्छता की रणनीति को अंजाम देने के लिये स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रावधानों के अनुरूप दस्तावेज तैयार करने और फील्ड पर काम करने के लिये अलग-अलग टीमें तैयार करें। साथ ही यह भी कहा कि सार्वजनिक शौचालय, सब्जीमंडी, बस स्टेण्ड सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था हो।

नेशनल लोक अदालत 11 दिसंबर को, बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण के होंगे समझौते

ग्वालियर। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में 11 दिसंबर (शनिवार) को कोविड-19 की गाईडलाईन का पालन करते हुए एवं स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए लगायी जाने वाली नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों में लोक अदालत में समझौता शर्तों का मसौदा जारी कर दिया गया है।

कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत लंबित प्रकरण एवं ऐसे प्रकरण जो न्यायालय में दर्ज नहीं हो सके हैं, के त्वरित निराकरण तथा धारा 126 के अंतर्गत बनाये गये ऐसे प्रकरण जिनमें उपभोक्ताओं द्वारा अपीलीय कमेटी के समक्ष आपत्ति/अपील प्रस्तुत नहीं की गई है, की प्रीलिटिगेशन के माध्यम से निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जाएगी।

प्रिलिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

न्यायालयीन लंबित प्रकरणों में - कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

गंदगी फैलाने वालों से 50 हजार से अधिक का वसूला जुर्माना

ग्वालियर। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के आदेशानुसार स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुए। शहर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही शहर में दुकानदारों व आमजन से अपील की जा रही है। कि वह अपने पास डस्टबिन अवशय रखें जिससे गंदगी न फैल पाये तथा सूखा व गीला कचरा वाहन में अलग-अलग डालें। अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर के निर्देशानुसार आमजन से सार्वजनिक स्थानों पर शौच, स्थलों, मार्गो, सडक किनारे, नालियां में कचरा या गंदगी न फेलाना, सार्वजनिक स्थानों पर थूकना, पेशाव करना, किसी भी प्रकार का कचरा जलाना, रासायनिक उपशिष्ट डालना, हानिकारक द्रव्य वहाना, तालाब एवं अन्य जल संरचनाओं पर कचरा न डालना आदि इन सभी के लिए आमजन को जागरूक किया जा रहा कि यह शहर हम सभी का इसको स्वच्छ व साफ रखने की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। सार्वजनिक जगहों पर कचरा न डालें, कचरा सिर्फ कचरा वाहन में डालें। साथ ही गंदगी फैलाने पर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है।

16 ग्वालियर पूर्व में कांग्रेस पार्टी के सदस्यता एवं जन जागरण अभियान हेतु ''ब्लॉक/वार्ड/सह प्रभारियों'' की नियुक्ति

ग्वालियर। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के यशस्वी अध्यक्ष माननीय कमलनाथ जी के आदेश पर समस्त मध्यप्रदेश में पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया जाने का निर्णय लिया गया।

इस क्रम में आज दिनांक 01.12.2021 को 16 ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार जी द्वारा अपने कार्यालय पर आज जन जागरण एवं सदस्यता अभियान को सफल बनाये जाने के संबंध में कॉग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। इस सदस्यता एवं जन जागरण अभियान को हर बूथ स्थर पर चलाये जाने के लिए कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक आयोजित की गयी एवं बताया गया कि अपने अपने बूथ पर टीम बनाकर कार्यकर्ता हर घर संपर्क कर सदस्य बनायें एवं जन जागरण अभियान को भी हर घर तक पहुचांये।

इस आयोजित बैठक में सर्वश्री प्रदेश प्रवक्ता राम पांडेय, प्रदेश सचिव सुरेन्द्र यादव, प्रदेश सचिव संजय राठौर ठाठीपुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम सिंह नेताजी, मुरार ब्लॉक अध्यक्ष विनोदी जैन, गोले का मंदिर ब्लॉक अध्यक्ष सुनील श्रीवास, इन्दरगंज ब्लॉक अध्यक्ष राकेश गुजर्र, अवधेश कौरव, गौरव तिवारी, सोवरन सिंह तोमर, जीतू कुशवाह, कमलेश इन्दोरिया, श्रीमती सीमा समाधिया, श्रीमती बीना भारद्वाज, महादेव अपौरिया, सन्तोष शर्मा, रूपेश दुवे, बृजेश शुक्ला, प्रतीक जैन, ललता प्रसाद मिश्रा, अनूप शिवहरे, भूपेन्द्र तोमर, मान सिंह परिहार, सुभम मधुरिया, धर्मवीर जाटव, श्रीकृष्ण गुर्जर, अनिल शर्मा, मनीष अग्रवाल, राकेश शर्मा, हरेन्द्र वर्मा आदि कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लोक सेवा केन्द्र सिटी सेंटर पर 10 हजार रूपए का जुर्माना

ग्वालियर। अधिकार क्षेत्र से बाहर अर्थात दूसरे क्षेत्र के आवेदनों को गलत तरीके से दर्ज करना सिटी सेंटर क्षेत्र के लोक सेवा केन्द्र के संचालक को भारी पड़ा है। कलेक्टर एवं सचिव जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इस लोक सेवा केन्द्र के संचालक पर 10 हजार रूपए की शास्ति अधिरोपित कर यह राशि तीन दिवस के भीतर जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी ग्वालियर के खाते में जमा कराने का आदेश पारित किया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि शास्ति की राशि जमा नहीं कराई तो लोक सेवा केन्द्र की अनुबंध समाप्ति की कार्रवाई की जायेगी। लोक सेवा प्रबंधन विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक सिटी सेंटर लोक सेवा केन्द्र में अन्य क्षेत्र के आवेदनों को अपनी आईडी से दर्ज किया गया। इससे जाहिर होता है कि लोक सेवा केन्द्र के संचालक द्वारा स्वयं के लाभ के लिये अन्य तहसील के आवेदन दर्ज करते चले गए, जिससे दूसरे लोक सेवा केन्द्र बीजीएफ (बिजीबिल्टी गैप फंडिंग) की श्रेणी में आ जाते हैं, इससे शासन पर अतिरिक्त राजस्व का भार बढ़ता है।

अंकुर कार्यक्रम में 10 लाख पौधे रोपे जायेंगे

ग्वालियर। पर्यावरण विभाग द्वारा अंकुर कार्यक्रम में प्रदेश में 19 फरवरी, 2022 तक 10 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी कलेक्टर्स से कहा गया है कि अंकुर कार्यक्रम के तहत अपने जिले के लिये वायुदूत एप डाउनलोड कर नागरिक पंजीयन और पौध-रोपण का लक्ष्य निर्धारित कर 3 दिसम्बर, 2021 तक प्रमुख सचिव, पर्यावरण विभाग को अवगत करायें।

वायुदूत एप पर 3 लाख लोगों ने कराया पंजीयन

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 मई, 2021 को अंकुर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। कार्यक्रम में अब तक लगभग 3 लाख नागरिक वायुदूत एप पर पंजीयन कर चुके हैं और 5 लाख पौध-रोपण की पहली फोटो लोगों ने अपलोड कर दी है।

राज्य शासन की सचिव श्रीमती तिवारी ने किया कन्या छात्रावास परिसर का निरीक्षण

ग्वालियर। राज्य शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की सचिव श्रीमती रेनू तिवारी ने झाँसी रो? स्थित शासकीय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय सीनियर व जूनियर कन्या छात्रावास तथा शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में निवासरत सभी छात्राओं से रूबरू होकर चर्चा की। साथ ही छात्रावास में मिल रहीं सुविधाओं एवं उनकी प?ाई के बारे में जानकारी ली। सचिव श्रीमती रेनू तिवारी ने इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षकों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रावास में निवासरत सभी बालिकाओं को राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत सुविधायें मिलें। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई न हो। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त जनजाति कल्याण विभाग श्री एच बी शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उनके साथ थे।

होटल और मैरिज गार्डन संचालकों ने कहा कि उन्हें ही मिलेगा प्रवेश जो दोनों डोज लगवाकर आयेंगे

अपर कलेक्टर श्री गढ़पाले ने ली होटल और मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक

ग्वालियर। शहर के होटल और मैरिज गार्डन के संचालकों द्वारा निर्णय लिया गया है ?िक वे अपने होटल व मैरिज गार्डन में उन्हीं व्यक्तियों को प्रवेश देंगे जो कोविड वैक्सीन के दोनों डोज लगवा चुके हैं। साथ ही जिन परिवारों द्वारा शादी व अन्य समारोह की बुकिंग की गई है उन्हें भी समझायेंगे कि वे अपने स्तर पर आमंत्रित लोगों को वैक्सीन के दोनों डोज लगवायें। इस आशय का निर्णय अपर जिला दण्डाधिकारी श्री इच्छित ग?पाले की अध्यक्षता में आयोजित हुई होटल एवं मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक में लिया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के वैरीफायर विभिन्न समारोह में पहुँचकर इस बात की जांच करेंगे कि सभी व्यक्तियों को कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगे हैं अथवा नहीं। इसलिये सभी से आग्रह किया गया है कि असुविधा से बचने के लिये दोनों डोज लगवाकर और उसका प्रमाण-पत्र अपने मोबाइल में सेव कर ही होटल और मैरिज गार्डन में प्रवेश करें। अपर कलेक्टर श्री इच्छित ग?पाले ने सभी होटल व मैरिज गार्डन संचालकों से कहा कि वे अपने संस्थान में अनिवार्यत- कोरोना गाइडलाइन का पालन कराएँ। होटल एवं मैरिज गार्डन संचालकों ने आश्वस्त किया कि उनके यहाँ आने वाले आगुंतकों के हाथ सेनेटाइज करायेंगे और कोविड-19 गाइडलाइन के अन्य प्रावधानों का भी पालन करायेंगे। साथ ही संस्थान में कोविड-19 से बचाव के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता का काम भी करेंगे। अपने समस्त स्टाफ को दोनों डोज लगवाने के लिये भी सभी संचालकों ने आश्वस्त किया। होटल व मैरिज गार्डन संचालकों द्वारा कोविड-19 से बचाव के उद्देश्य से किए गए नवाचारों की जानकारी भी बैठक में दी। साथ ही सुझाव भी दिए। द प्रभा इंटरनेशनल होटल के संचालक ने बताया कि उनके यहाँ ऐसे आगुंतकों को 10 प्रतिशत की छूट दी जायेगी जो वैक्सीन के दोनों डोज का प्रमाण दिखायेंगे। इसी प्रकार कुछ होटल व मैरिज गार्डन संचालकों का कहना था कि वे शादी समारोह इत्यादि की बुकिंग कराने वाले लोगों को आमंत्रण पत्र पर इस आशय की कोरोना मनुहार छपवाने का आग्रह भी करेंगे कि दोनों डोज लगाकर ही समारोह में शामिल हों।

घर-घर जाकर दिया स्वच्छता का संदेश

ग्वालियर। ''हम सबका बस एक ही सपना स्वच्छ ग्वालियर हो अपना'' इसी नारे को बुलंद करते हुए ग्वालियर नगर निगम के कर्मचारी शहरवासियों के सहयोग से ग्वालियर को स्वच्छता में प्रथम स्थान पर लाने के लिए रात दिन मेहनत कर रहें हैं। सभी वार्डो में जाकर आमजन को जगरूकता के साथ उनको समझाइश दे रहे हैं कि घरों से निकलने वाले कचरे को सिर्फ कचरा वाहन में ही डालें, सडक पर कचरा न डालें। नगर निगम ग्वालियर के स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान रोको - टोको अभियान शहर के विभिन्न वार्डो में निरंतर जारी है और इस अभियान में सभी को समझाइश भी दी जा रही है की गीला सूखा कचरा अलग अलग करने के दें जिससे कचरे का सही उपयोग किया जा सके। साथ ही बाजारों में भी सभी दुकानदारों से भी अपील की वह अपना कचरा डस्टबिन में रखें सडक पर न डालें। यह शहर हम सभी का इसको स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। चलाये जा रहे स्वचछता अभियान के तहत घरों व दुकानों में पैंपलेट भी बांटे जा रहे हैं। जिससे लोग और भी जागरूक हो और स्वच्छता को अपनी आदत बनायें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478